mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-166 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
17 जून 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉस :

टीएमसी के दोनों गुटों का पक्ष सुनेंगे स्पीकरः ममता खेमे को भी बुलाया

कोलकाता/नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बागी सांसदों ने लोकसभा में अलग ग्रुप के तौर पर मान्यता देने की मांग की है। इस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद फैसला करेंगे। PTI के मुताबिक, स्पीकर कार्यालय ने ममता बनर्जी खेमे के सांसदों को भी ईमेल भेजकर बैठक के लिए बुलाया है। दोनों पक्षों से बात करने के बाद ही फैसला होगा। यह फैसला संसद के मानसून सत्र से पहले आ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, स्पीकर इस मामले में कानून मंत्रालय की राय भी ले सकते हैं। यह राय इसलिए ली जा रही है, ताकि स्पीकर का फैसला अदालत में चुनौती मिलने पर भी कानूनी जांच में टिक सके।

रविवार को TMC के 20 बागी सांसदों में से 17 ने स्पीकर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था।

मानसून तेलंगाना में 6 दिन से अटका

छीसगढ़ में बारिश के लिए 3-4 दिन, जबकि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हतेभर इंतजार करना होगा

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। मानसून तेलंगाना के भद्राचलम में 6 दिन से अटका हुआ है। इस वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है। यहां कई हिस्सों में गर्मी लौट आई है। वर्ल्ड मेट्रोलॉजी ऑर्गनाइजेशन की हाइड्रोमेट्री टीम के मेंबर डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 3 से 4 दिन, तो मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री करीब हफ्तेभर बाद हो सकती है।

उनका यह भी कहना है कि इस हफ्ते के अंत तक बारिश की गतिविधियों में सुधार संभव है। मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल की हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इन हवाओं को जेट स्ट्रीम कहते हैं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बी-52 बमवर्षक विमान दुर्घटनाग्रस्तः 8 लोगों की मौत

कैलिफोर्निया,एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स वायुसेना अड्डे पर सोमवार सुबह बी-52 बमवर्षक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक, विमान में सवार सभी 8 लोगों की मौत हो गई।

अमेरिकी वायुसेना के अनुसार, विमान नियमित परीक्षण उड़ान पर था। सुबह करीब 11:20 बजे उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान नीचे गिर गया और उसमें आग लग गई। मृतकों में वायुसेना के जवान और विमान परीक्षण से जुड़े विशेषज्ञ शामिल थे। फिलहाल दुर्घटना की वजह स्पष्ट नहीं है।

अनुमान है कि विमान की नियंत्रण प्रणाली, इंजन या परीक्षण किए जा रहे किसी उपकरण में खराबी आई होगी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि विमान में हथियार मौजूद थे या नहीं।

नीट री-एग्जाम तक भारत में टेलीग्राम पर रोकः

21 को परीक्षा, 22 जून तक ऐप काम नहीं करेगा

» संदेश संपादन फीचर 30 जून तक बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सरकार ने नीट की दोबारा परीक्षा को लेकर भारत में टेलीग्राम संदेश सेवा ऐप के इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी।

एनटीए ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (माइटी) ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 69ए के तहत टेलीग्राम पर रोक लगाई है। यह रोक 22 जून 2026 तक रहेगी। हालांकि आदेश कब से लागू होगा, इसकी तारीख नहीं दी गई है।

नीट री-एग्जाम 21 जून को होगा। सरकार ने परीक्षा के बाद भी टेलीग्राम को अपना संदेश संपादन फीचर 30 जून तक बंद रखने का निर्देश दिया है। यानी भारत में टेलीग्राम पर पहले से भेजे गए संदेश 30 जून तक संपादित नहीं हो पाएंगे।

एनटीए के मुताबिक कुछ लोग टेलीग्राम का इस्तेमाल परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने के फर्जी सबूत बनाने के लिए करते रहे हैं। ऐसे मामलों को रोकने और परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

री-एग्जाम 3 घंटे 15 मिनट का होगा, 4 रफ वर्क शीट मिलेंगी... एनटीए ने नीट-यूजी री-एग्जाम में कुछ बदलाव किए हैं। 12 जून को जारी नई दिशा-निर्देशों के मुताबिक, परीक्षा का समय अब 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दिया गया है। इसके अलावा उत्तर पुस्तिका में रफ वर्क के लिए भी जगह बढ़ाई गई है।

दीपके बोले-जयपुर में RSS के लोगों ने हमला किया

» कॉकरोच पार्टी के 2 लाख फॉलोअर्स घटे

जो उनके खिलाफ, उसका यही अंजाम

नागपुर,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जयपुर में उन पर हुए हमले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी RSS के लोगों का हाथ था। अभी दीपके नागपुर में है। यहां 4 बजे संविधान चौक पर पार्टी का प्रदर्शन है।

उन्होंने कहा- 'जब भी कोई सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ बोलता है, तो ऐसा ही होता है। इसमें कुछ नया नहीं है।' कल यानी 15 जून को कॉकरोच जनता पार्टी ने जयपुर में प्रदर्शन किया था। इस दौरान भीड़ में शामिल युवकों ने दीपके को थप्पड़ मारे थे।

वहीं, CJP के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 16 जून को पार्टी के इंस्टाग्राम पर 2.25 करोड़ फॉलोअर्स हैं। 6 जून को दिल्ली में CJP के पहले प्रदर्शन से पहले इंस्टाग्राम पर 2.21 करोड़ फॉलोअर्स थे। अगले दिन 7 जून को 24 घंटे के भीतर 2.27 करोड़ फॉलोअर्स हो गए थे।

कॉकरोच जनता पार्टी नीट पेपर लीक, CBSE परीक्षा में गड़बड़ी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रही है। इसके लिए देशभर में प्रदर्शन कर रही है।

देश के प्रमुख ठिकानों पर ड्रोन हमले की आशंका

सरकार का एजेंसियों को अलर्ट- इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ाएं; एंटी-ड्रोन प्रणाली की तैनाती शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने चेतावनी दी है कि सीमाओं पर मौजूद महत्वपूर्ण ठिकानों पर दुश्मन ड्रोन हमला कर सकता है। 'द हिंदू' की खबर के मुताबिक, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के समुद्री सुरक्षा प्रकोष्ठ ने जमीन और समुद्री सीमाओं के पास मौजूद महत्वपूर्ण संपत्तियों और ठिकानों पर ड्रोन हमले को लेकर अलर्ट जारी किया है।

मंत्रालय के पत्र में लिखा है: हमें जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे, खासकर सीमा के पास बने अपने ठिकानों को खतरनाक ड्रोनों से बचाने के लिए एंटी-ड्रोन प्रणाली लगानी होगी। दुनिया के मौजूदा हालात को देखकर यह साफ है कि दुश्मन के ड्रोन हमारे जरूरी ठिकानों के कामकाज को ठप कर सकते हैं। इस चेतावनी के बाद सुरक्षा एजेंसियां देशभर के खास ठिकानों को सुरक्षित रखने के लिए एंटी-ड्रोन प्रणाली लगाने में जुट गई हैं।

एंटी-ड्रोन प्रणाली को जांचने के लिए बीएसएफ-सीआईएसएफ ने टीम बनाई: गृह मंत्रालय ने भी सीमा सुरक्षा बल के तहत एक विशेष समिति बनाई है। इस समिति का काम भारत के लिए सबसे अच्छी एंटी-ड्रोन प्रणाली की जांच करना और उसे मंजूरी देना है। सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ पाकिस्तान सीमा से सटे पंजाब के इलाकों में इन प्रणालियों को लगाने की तैयारी कर रही है और इसके लिए बाकायदा परीक्षण भी शुरू हो चुके हैं।

इसके साथ ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने भी एक टीम बनाई है। इस टीम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), खुफिया ब्यूरो (आईबी), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और बीएसएफ के अधिकारी शामिल हैं, जो देश के महत्वपूर्ण ठिकानों का दौरा कर रहे हैं।

इस टीम की रिपोर्ट और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद ही तय होगा कि किस ठिकाने पर कौन-सी एंटी-ड्रोन प्रणाली लगाई जाएगी।

सिरप अब डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर ही मिलेगा

सरकार ने दवा खरीद के नियम बदले; MP में दूषित सिरप से 26 बच्चों की मौत हुई थी

नई दिल्ली ,एजेंसी। कफ सिरप अब बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदे जा सकेंगे। केंद्र सरकार ने ड्रग्स नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत सिरप को अब उस लिस्ट से हटा दिया गया है, जिसमें दवाएं सीधे दुकान से खरीदी जा सकती हैं।

सरकार का कहना है कि इससे सिरप आधारित दवाओं पर निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण मजबूत होगा। साथ ही सिरप निर्माता और विक्रेता को लाइसेंसिंग और क्वालिटी कंट्रोल से जुड़े सख्त नियमों का पालन करना ही होगा। मध्य प्रदेश में अक्टूबर 2025 में दूषित सिरप से 26 बच्चों की मौत हो गई थी।

सिरप को लिस्ट से हटाया: नई व्यवस्था के तहत ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची च में बदलाव किया गया है। इस अनुसूची में उन दवाओं को रखा गया था, जिन्हें कुछ नियमों में छूट दी गई थी। अब इस सूची से सिरप को हटा लिया गया है।

तीन साल पहले क्वालिटी टेस्ट अनिवार्य किया था... दवा सुरक्षा और गुणवत्ता को लेकर केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों में कई कदम उठा चुकी है। 2022-23 में भारत में बनी कुछ कफ सिरप दवाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे थे। अफ्रीकी देशों और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत के मामलों के बाद भारतीय दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी बढ़ाई गई थी।

इसके बाद सरकार ने कफ सिरप के निर्यात से पहले सरकारी लैब में अनिवार्य परीक्षण की व्यवस्था लागू की। साथ ही दवा निर्माण इकाइयों के लिए गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (GMP) मानकों को भी सख्त किया गया। कई कंपनियों के लाइसेंस निलंबित किए गए और उत्पादन इकाइयों पर कार्रवाई हुई।

बकाया चालान वाली गाड़ियों के नंबर एलईडी स्क्रीन पर दिखेंगे

» एआई कैमरे ट्रैफिक सिग्नल पर 12 सेकेंड में पकड़ रहे; मर्सिडीज के 8 चालान लंबित मिले

जयपुर,एजेंसी। जयपुर में अब ट्रैफिक नियमों का बार-बार उल्लंघन करने और बकाया चालान वाली गाड़ियों के नंबर चौराहों पर लगी बड़ी एलईडी स्क्रीन पर दिखेंगे। इसकी शुरुआत चार दिन पहले रामबाग चौराहे से की गई है। इस चौराहे से गुजरने वाली गाड़ियों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कैमरे नजर रखते हैं और चालान बकाया होने पर 12 सेकेंड के भीतर उनके नंबर चौराहे पर लगी एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित कर देते हैं। इसके बाद ट्रैफिक पुलिसकर्मी उस गाड़ी को रोककर बकाया चालान की जानकारी देते हैं और वाहन मालिक को चालान जमा कराने के लिए समझाते हैं। इसके बाद भी चालान जमा नहीं कराया जाता है, तो अगली बार वाहन जब्त कर लिया जाता है। इस एआई आधारित अत्याधुनिक तकनीक 'स्मार्ट वाहन चालान पहचान प्रणाली' के जरिए चालान जमा नहीं कराने वाले वाहनों की पहचान की जा रही है। चार दिन पहले प्रायोगिक तौर पर शुरू की गई इस पहल में शुरुआती दौर में बड़ी संख्या में वाहनों की पहचान की गई है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी वाहन चालक को समझाकर जुर्माना जमा कराने की सलाह दे रहे हैं। किसी वाहन का चालान बकाया नहीं होने पर उसे धन्यवाद भी दिया जाता है। ट्रैफिक पुलिस ने इस पूरी प्रक्रिया के लिए अजमेरी गेट स्थित यादगार में एक नियंत्रण कक्ष भी तैयार किया है।

इन कंपनियों के साथ पुलिस ने प्रणाली की शुरुआत की... गौरतलब है कि राजस्थान पुलिस, ईवा भारत ने क्रैशफ्री मीडिया और कार्स24 के साथ मिलकर जयपुर में 'स्मार्ट वाहन चालान पहचान प्रणाली' शुरू की है। यह प्रणाली स्मार्ट और डिजिटल रूप से जुड़े शहरी बुनियादी ढांचे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। रामबाग चौराहे पर प्रायोगिक तौर पर लगाई गई बड़ी एलईडी स्क्रीन पर बकाया चालान वाले वाहनों की वास्तविक समय में पहचान कर उनके नंबर प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

मेकेदातु बांध परियोजना का विरोध बढ़ा

23 जून को दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे तमिलनाडु के किसान

चेन्नई ,एजेंसी। तमिलनाडु के किसानों ने कर्नाटक के प्रस्तावित मेकेदातु बांध प्रोजेक्ट का विरोध और तेज कर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार पर इस प्रस्ताव को खारिज करने का दबाव बनाने के लिए 23 जून को नई दिल्ली में एक बड़े विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। तिरुवरूर में तमिलनाडु कावेरी किसान संगठन की राज्य समिति की बैठक के बाद जारी एक बयान में संगठन ने कहा कि राज्य भर के किसान एक मार्च में हिस्सा लेंगे और राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय जल संसाधन विभाग के मुख्यालय का घेराव करेंगे।

किसानों को है इस बात की चिंता: संगठन ने चिंता जताई कि कावेरी नदी पर प्रस्तावित जलाशय से तमिलनाडु में पानी की उपलब्धता पर बुरा असर पड़ सकता है और कावेरी डेल्टा क्षेत्र में खेती के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। आरोप लगाया कि तमिलनाडु की कड़ी आपत्तियों के बावजूद कर्नाटक इस प्रोजेक्ट की योजनाओं पर आगे बढ़ रहा है। संगठन के महासचिव पीआर पांडियन ने कहा कि किसान केंद्र से इस प्रोजेक्ट के लिए कोई भी मंजूरी न देने का आग्रह करेंगे। उन्होंने तर्क दिया कि तमिलनाडु की सहमति के बिना मेकेदातु में बांध बनाने से नदी के निचले हिस्से में खेती करने वाले किसानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा और कावेरी के पानी में राज्य के हिस्से पर असर पड़ेगा।

सीएम विजय से भी प्रोजेक्ट रोकने की अपील... उन्होंने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से भी अपील की कि वे इस प्रोजेक्ट को शुरू होने से रोकने के लिए सभी जरूरी कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को तमिलनाडु के पानी के अधिकारों की रक्षा करने और कावेरी पर निर्भर लाखों किसानों की आजीविका बचाने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। पांडियन ने कहा कि 23 जून के आंदोलन में तमिलनाडु के अलग-अलग जिलों के कई संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले किसान एक साथ आएंगे। इस विरोध प्रदर्शन से केंद्र सरकार को एक कड़ा संदेश जाएगा कि राज्य मेकेदातु प्रोजेक्ट का पूरी तरह से विरोध करता है।

अमेरिका-ईरान में पीस डील पर डिजिटल साइन हुए

19 जून को औपचारिक डील; ईरान को 28 लाख करोड़ हर्जाना दे सकता है मेरिका

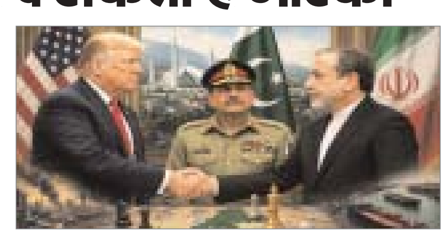

तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अमेरिका-ईरान समझौता पूरा हो चुका है और इस पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में औपचारिक हस्ताक्षर होंगे। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ट्रम्प, जेडी वेंस और ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ डिजिटल रूप से समझौते पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। हालांकि, समझौते का पूरा मसौदा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि दस्तावेज शुक्रवार के बाद जारी किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला एक शुरुआती मसौदा तैयार हुआ है, जिस पर आगे तकनीकी स्तर की बातचीत होगी। वहीं कुछ रिपोर्टों के मुताबिक ईरान को आर्थिक सहायता के लिए करीब 28 लाख करोड़ रुपए का पैकेज मिल सकता है, हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

ईरान बोला- अमेरिका से दो चरणों में बातचीत होगी: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के बाद होने वाली आगे की बातचीत दो चरणों में होगी। पहले चरण में होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति, अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी और पुनर्निर्माण जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण की बातचीत शुरू होगी जो 60 दिन तक चलेगी। इसमें परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों में राहत जैसे अहम मुद्दों पर बात होगी।

आधार कार्ड का इस्तेमाल सिर्फ पहचान के लिए हो

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-राज्यों से जवाब मांगा; दावा- अभी पता और जन्मतिथि के सबूत के रूप में माना जा रहा

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र और राज्यों से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आधार कार्ड का इस्तेमाल नागरिकता, मूल निवास और पते के प्रमाण के रूप में गलत तरीके से किया जा रहा है। याचिका में मांग की गई है कि इसके इस्तेमाल को केवल पहचान की पुष्टि तक ही सीमित रखने के निर्देश दिए जाएं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया। याचिका में केंद्र, राज्यों और निर्वाचन आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आधार का इस्तेमाल केवल पहचान के प्रमाण के रूप में हो, न कि नागरिकता, मूल निवास, पते और जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में।

याचिकाकर्ता के दो तर्क: आधार अधिनियम की धारा 9 स्पष्ट रूप से बताती है कि आधार नागरिकता या मूल निवास का प्रमाण नहीं है।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की 22 अगस्त 2023 की अधिसूचना में भी स्पष्ट किया गया है कि आधार केवल पहचान का प्रमाण है, नागरिकता, पते या जन्मतिथि का नहीं।

घुसपैठियों और अवैध प्रवासियों को आसानी से मिल रहे दूसरे दस्तावेज: आधार का इस्तेमाल स्कूलों में प्रवेश, संपत्ति खरीदने, जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने जैसी प्रक्रियाओं में आयु, नागरिकता और निवास के प्रमाण के रूप में किया जा रहा है। याचिका में दावा किया गया है कि इसी वजह से घुसपैठिए और अवैध प्रवासी भी आधार के आधार पर अन्य दस्तावेज हासिल कर रहे हैं।

याचिका में चुनावी प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाली सत्यापन व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की गई है। इसके साथ ही एक उच्चस्तरीय निगरानी समिति बनाए जाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और फोरेंसिक विशेषज्ञ शामिल हों।

मतदाता पंजीकरण सत्यापन पर भी सवाल उठाए... याचिकाकर्ता ने मतदाता पंजीकरण सत्यापन प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। याचिका के अनुसार, फॉर्म-6 के तहत दस्तावेजों की जांच पर्याप्त नहीं है और इससे ऐसे लोगों के नाम भी मतदाता सूची में शामिल हो सकते हैं, जिनके पास जरूरी वैध दस्तावेज नहीं हैं।

पूर्वी दिल्ली में अवैध होटलों की मनमानी जारी, सर्वे से बचने के लिए होटल के बाहर से हटाए गए बोर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रशासनिक सर्वे से बचने के लिए होटल संचालकों की साजिश अब बेनकाब हो रही है। बाहर से बोर्ड हटाकर अवैध होटलों को छिपाया जा रहा है, जबकि अंदर सुरक्षा नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कई इमारतों में एक ही संकरा सा प्रवेश और निकास का रास्ता है, जो किसी भी आपात स्थिति में मौत का फंदा बन सकता है। इसके बावजूद बेखौफ संचालक न केवल नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं, बल्कि सर्वे टीम पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी का सहारा लेकर कार्रवाई से बचने की चालें भी चल रहे हैं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि लोगों की जान से खिलवाड़ है। हौजरानी हादसे के बाद दिल्ली सरकार ने होटल व अवैध निर्माण को रोकने के लिए सर्वे के आदेश दिए। सोमवार को दैनिक जागरण की टीम ने यमुनापार में होटल की स्थितियों का जायजा लिया।

विश्वास नगर में स्थित होटल का संकरा रास्ता: इस सर्वे को होटल संचालक कुछ समझ नहीं रहे हैं। इससे बचने के लिए उन्होंने होटल के बाहर से बोर्ड हटा दिए हैं।

गाजीपुर गांव, विश्वास नगर, कड़कड़डूमा, जगतपुरी, खजूरी, नंद नगरी, न्यू अशोक नगर, गीता कालोनी, मौजपुर, बाबरपुर में सौ से अधिक होटल चल रहे हैं। हौजरानी के होटल में भीषण आग लगने से 22 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकतर विदेशी नागरिक थे। इस होटल में प्रवेश व निकासी का द्वार एक ही था। बेसमेंट भी था। छह कमरों की अनुमति लेकर 26 कमरे बना लिए थे। हौजरानी क्षेत्र के जैसे कई होटल यमुनापार में धड़ल्ले से कानून का उल्लंघन कर चल रहे हैं।

मौजूदा कानून के अनुसार 12 मीटर से कम ऊंचाई वाले होटल व रेस्त्रां को भी फायर की एनओसी की जरूरत है। लेकिन जिस तरह से यह होटल बने हैं, अधिकतर के पास फायर की एनओसी नहीं है। ऐसा लग रहा है जैसे हादसा होने पर ही अधिकारियों की नींद टूटेगी। विश्वास नगर में 60 फुटा रोड पर संतोष रेजीडेंसी नाम का एक होटल है। यह तीन मंजिला है।

इस होटल में जाने का रास्ता बहुत ही संकरा है। भू-तल पर एक शोरूम बना हुआ है। इसके बराबर से बेसमेंट में जाने के लिए संकरी सीढ़ियां बनी हुई हैं। बेसमेंट में बिल्कुल आखिर में पहली मंजिल पर जाने के लिए सीढ़ियां हैं। दमकल का कहना है कि इस तरह से बने होटल को दमकल फायर की एनओसी नहीं देता है। बता दें कुछ ही माह पहले इसी होटल से एक युवती ने सड़क पर छलांग लगाई थी, वह घायल हो गई थी।

कड़कड़डूमा गांव में होटल का एक गेट, डीडीए के पार्क में होती है अवैध पार्किंग

कड़कड़डूमा गांव में तीन मंजिला एक होटल चल रहा है। इस होटल में प्रवेश व निकासी द्वार एक ही है। हादसा होने पर बाहर भागने की संभावना नहीं है। होटल के ठीक सामने डीडीए का पार्क है। इस पार्क की बाउंडरी दीवार को तोड़कर उसमें होटल की अवैध रूप से पार्किंग हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सब डीडीए की मिलीभगत से हो रहा है। होटल संचालक ने जागरण संवाददाता से बातचीत में यह स्वीकार किया कि होटल में प्रवेश व निकासी के लिए ही रास्ता है। वहीं इसी होटल के बराबर में अवैध रूप से बेसमेंट में हुक्का बार चल रहा है। दोनों की जगह प्रशासन का सर्वे नहीं हुआ है। होटल व कमर्शियल बिल्डिंग का सर्वे जारी है। जहां भी नियमों का उल्लंघन मिल रहा है, संचालकों को नोटिस भी दिए जा रहे हैं।

मणिपुर के कांगपोकपी में आदिवासी संघर्ष, गोलीबारी में तीन घायल; अस्पताल के बाहर प्रदर्शन

कांगपोकपी, एजेंसी। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में आदिवासियों के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इंफाल स्थित रिम्स में भर्ती कराया गया। इसके बाद घायल युवकों को भर्ती किए जाने का विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों का एक समूह अस्पताल परिसर के पास जमा हो गया और विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि ये तीनों उग्रवादी थे, जिसके बाद सुरक्षा बलों को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।बताया जा रहा है कि घायल तीनों युवकों में से एक फुटबालर था, जो मोहन बागान के लिए खेलता था। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी सुबह करीब छह बजे लेइलोन वाइफेई गांव के पास हुई। कुकी-बहुल जिले में हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की। सभी घायल कुकी समुदाय के हैं। लेइलोन वाइफेई वही गांव है, जहां से 13 मई को नागा जनजाति के छह लोगों का अपहरण कर लिया गया था। 10 जून को छह लोगों के शव बरामद किए गए। जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे वही लोग थे, जिनका अपहरण किया गया था।

गुरुग्राम आईटीआई दाखिले का एक और मौका, आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून तक बढ़ी

गुरुग्राम, एजेंसी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को राहत देते हुए कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ाकर 30 जून कर दी है। इससे उन विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय मिल गया है, जो अब तक किसी कारणवश आवेदन नहीं कर सके थे। हालांकि फिलहाल विद्यार्थियों को ट्रेड चयन का विकल्प उपलब्ध नहीं कराया गया है। आईटीआई के नोडल अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि दो जून से विभिन्न ट्रेडों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई थी और 15 जून अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। विभाग की ओर से जारी नए निर्देशों के तहत अब विद्यार्थी 30 जून तक आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम आईटीआई में पहले 25 ट्रेडों में कुल 856 सीटें उपलब्ध थीं, लेकिन विभिन्न कारणों से 284 सीटें कम हो गई हैं। वर्तमान में 21 ट्रेडों की 572 सीटों पर ही प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। विभाग को उम्मीद है कि आवेदन तिथि बढ़ने से अधिक संख्या में विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ेंगे।

10 सरकारी कॉलेजों में 22 हजार से अधिक आवेदन हुए प्राप्त: जिले के राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए भी छात्रों का उत्साह बना हुआ है। जिले के 10 सरकारी कॉलेजों में करीब 10 हजार सीटों के लिए 22 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। सेक्टर-9 राजकीय महाविद्यालय के नोडल अधिकारी संजय कत्याल ने बताया कि कालेज की 1430 सीटों के लिए लगभग 7200 आवेदन आए हैं। उन्होंने बताया कि बीबीए, बीसीए और बीकॉम पाठ्यक्रमों की मांग सबसे अधिक है। इन पाठ्यक्रमों के लिए करीब छह हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। बीबीए की एक सीट के लिए 22 और बीसीए की एक सीट के लिए 15 छात्र दावेदार हैं। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से स्नातक प्रवेश के लिए आवेदन तिथि बढ़ाए जाने की भी संभावना जताई जा रही है।

दिल्ली-आगरा हाईवे और एक्सप्रेसवे पर गाड़ी चलाने वाले सावधान, अब सीधा घर पहुंचेगा भारी-भरकम चालान

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली-आगरा राजमार्ग और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर गलत दिशा में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई में ढील बरत रहे यातायात कर्मियों की डीसीपी ट्रैफिक ने खिंचाई की है। सोमवार को अपने कार्यालय में थाना प्रभारी समेत जिले के सभी जोन आफिसरों के साथ उन्होंने बैठक की। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई में ढील बरतने वाले पुलिसकर्मियों को खूब लताड़ा। उन्होंने हिदायत दी कि गलत दिशा में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों की संख्या कम नहीं है। उन पर नजर रखकर ज्यादा से ज्यादा चालान काटे जाए।

ट्रैफिक रूल्स तोड़ने वालों पर होगा एक्शन: इसके अलावा जहां-जहां भी कैमरे लगे हैं, उनकी फुटेज खंगालें तथा फुटेज के आधार पर नियमों की अवहेलना करने वाले ड्राइवरों पर कार्रवाई करें। इस बैठक में एसीपी ट्रैफिक-द्वितीय विकास कुमार भी मौजूद थे। बैठक में जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेसवे पर यातायात व्यवस्था, सड़क सुरक्षा उपायों तथा दुर्घटनाओं के कारणों की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में यह भी सामने आया कि भारी वाहन चालक अपने वाहनों को सड़क किनारे बिना सुरक्षा उपाय किए खड़े हो जाते हैं। कुछ वाहन खराब होने पर खड़े रहते हैं। ऐसे वाहन दुर्घटना का कारण बन रहे हैं, जिनमें निर्दोष लोगों की जान जा रही है। बैठक के दौरान दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को लेकर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ऐसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकता अनुसार चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित कराया जाए।

300 साल बाद बहरामपुर अकबरपुर से हटेगा 'अकबर' का नाम, अब क्या होगा नया नाम

गाजियाबाद, एजेंसी। मुगल साम्राज्य के वजीर गाजी-उद-दीन ने गाजियाबाद की नींव रखीं। बहरामपुर अकबरपुर भी इसी दौर यानी 18वीं शताब्दी के मध्य में कृषि प्रधान ग्रामीण बस्ती के रूप में वजूद में आया था। इस गांव में 75 फीसदी आबादी हिंदू है। हिंदू आबादी लंबे समय से इस गांव का नाम बदलने की मांग कर रहे थे। प्रदेश के राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप के पत्र पर नगर निगम की बोर्ड बैठक में गांव का नाम बदलने का प्रस्ताव पास हो गया। यह नाम अब नामकरण समिति के पास जाएगा। वहां इस पर अंतिम मुहर लगेगी। अंतिम मुहर लगते ही 300 वर्ष पुराना गांव का नाम बदल जाएगा।

पॉश इलाकों के सटा है अकबरपुर बहरामपुर: अकबरपुर बहरामपुर गाजियाबाद नगर निगम के विजय नगर जोन के वार्ड 35 में आता है। कभी यह कृषि-आधारित पारंपरिक गांव हुआ करता था। वर्तमान में यह सिद्धार्थ विहार और प्रताप विहार जैसे पॉश इलाकों के सटा हुआ एक प्रमुख आवासीय हब बन चुका है। वर्तमान में 40,000 की आबादी वाले इस गांव में हिंदू धर्म के लोग बहुसंख्यक यानी लगभग 75 प्रतिशत हैं। यहां मुस्लिम समुदाय लगभग 23 प्रतिशत हैं।

इसके अलावा सिख, ईसाई और जैन धर्म के लोग भी यहां निवास करते हैं। यहां के मूल निवासियों के अलावा बिहार, पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आकर बसे कामकाजी व मध्यमवर्गीय लोग रहते हैं। यहां के बहुसंख्यक लोग बहरामपुर अकबरपुर नाम को बदलवाने की मांग कर रहे थे। पिछले कई वर्षों में लोग पत्राचार के अलावा सोशल मीडिया पर भी इस मांग को तेजी से उठा रहे थे। इसके लिए प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने नगर निगम को पत्र लिखा था। पत्र में लिखा कि इस गांव में अत्यधिक संख्या में हिंदू निवास करते हैं।

अकबरपुर नाम मुस्लिम होने के कारण यहां रह रहे हिंदुओं की भावनाएं आहत होती हैं।

सीक्रेट शादी, जहर पीने का समझौता और फिर मर्डर बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां 22 साल की भवानी की संदिग्ध मौत के मामले में उसके प्रेमी चंद्रशेखर को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ने एक साल पहले गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी और इसका राज भवानी की इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए खुला। यह घटना शनिवार को ब्यादाराहल्ली पुलिस स्टेशन इलाके में जी होसाहल्ली रोड पर हुई। मृतक भवानी तुलसी नगर में रहती थी और मूल रूप से बेंगलुरु दक्षिण जिले के मगदी की रहने वाली थी। वह टिगलारापाल्या में एक मोबाइल फोन की दुकान पर बिलिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करती थीं। आरोपी चंद्रशेखर एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर है।

इंस्टाग्राम स्टोरी से खुला राज: पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह भवानी की मौसी ने उसकी मां को फोन करके बताया कि भवानी

ने एक लड़के के साथ इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की है। उस फोटो के बारे में पूछने के लिए उसके पिता श्रीनिवास एन ने सुबह करीब 7:30 बजे उसे फोन किया।

कई बार कॉल करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। फिर उन्होंने मकान मालिक से संपर्क किया और उनसे उसे देखने के लिए कहा। मकान मालिक ने श्रीनिवास को बताया कि घर के अंदर कोई मौजूद लग रहा था। हालांकि, बार-बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद किसी ने जवाब नहीं दिया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने भवानी को मृत पाया, जबकि चंद्रशेखर बेहोश था लेकिन उनकी सांसें चल रही थीं। पुलिस ने बताया कि उन्हें पास के अस्पताल में ले जाया गया।

घर में आ रही था जहरीले पदार्थ की तेज गंध: पुलिस ने बताया कि घर में किसी जहरीले पदार्थ की तेज गंध आ रही थी। भवानी और चंद्रशेखर दोनों के शरीर से भी वैसी ही गंध आ रही थी। इलाज के बाद चंद्रशेखर को पुलिस हिरासत में ले लिया गया।

गुपचुप कर ली थी शादी: जांच में पता चला कि चंद्रशेखर और भवानी ने एक साल पहले गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी और वे किसी को बताए बिना साथ रह रहे थे। हाल ही में भवानी को पता चला कि चंद्रशेखर पहले से शादीशुदा था और उनका छह साल का एक बच्चा भी है। इस बात का पता चलने पर दुखी होकर उसने अपने परिवार को पूरी स्थिति बताई।

उसके माता-पिता ने उसके लिए एक दूल्हा भी ढूंढ लिया था और उसकी सगाई की तैयारियां चल रही थीं, जो अगले हफ्ते होनी थी।

जी-7 सम्मेलन की शुरुआत, इस बार की बैठक क्यों खास, इसके किस सदस्य का कब हुआ ट्रंप से विवाद

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में सोमवार (15 जून) से शुरू हो रही ग्रुप ऑफ सेवेन (जी-7) की बैठक इस बार काफी दिलचस्प होने वाली है। दरअसल, यह सम्मेलन उस समय हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने पर हाल ही में समझौता करने पर सहमति बनी है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस पूरे सम्मेलन में छाए रहने की उम्मीद है। दूसरी तरफ जी-7 देश अब रूस-यूक्रेन संघर्ष और इस समूह के ही एक सदस्य अमेरिका की टैरिफ और कूटनीति को लेकर भी चर्चाएं कर सकते हैं। इस बार जी-7 की अध्यक्षता फ्रांस के पास है। बीते साल जब यह सम्मेलन हुआ था, तब इसकी अध्यक्षता कनाडा के पास थी। इसी तरह फ्रांस, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका भी रोटेशन प्रणाली के तहत जी-7 की अध्यक्षता और इसकी मेजबानी कर चुके हैं। दूसरी तरफ भारत बीते कुछ वर्षों में जी-7 का सदस्य न होने के बावजूद इसके लिए मेहमान के तौर पर आमंत्रित किया जाता रहा है।

क्या है जी-7 सम्मेलन, इसका क्या इतिहास: जी7 के गठन की कहानी भी काफी दिलचस्प है। दरअसल, 1970 का दौर, वह समय था, जब पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था तेल के बढ़ते दामों की वजह से मुश्किल में थी। खासकर तेल पैदा करने वाले देशों के संगठन-ऑर्गनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) यानी पेट्रोल निर्यातक देशों के संगठन की मनमानी की वजह से। 1975 ओपेक की तरफ से तेल के निर्यात पर लगी पाबंदियों का असर ऐसा हुआ कि तब अमेरिका के वित्त मंत्री जॉर्ज शुल्ज ने एक बैठक बुला ली। पहली बैठक में छह देश इकट्ठा हुए और आर्थिक संकटों से निपटने पर चर्चा की।

पश्चिम एशिया: परमाणु मुद्दे से बड़ी है जंग रोकने की अग्निपरीक्षा

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का जो ढांचा तय हुआ है, उसको पश्चिम एशिया में स्थायी शांति बहाली की कसौटी पर परखने के लिए 60 दिन की अवधि तय की गई है। यहां तक पहुंचने के लिए अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर अपने रुख को काफी नरम किया है। ईरान पर समझौते के लिए सबसे पहले परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद करने की शर्त नहीं थोपी गई है। बल्कि बातचीत के लिए उसे पूरा समय दिया। जाहिर तौर पर पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट बीच ईरान का परमाणु कार्यक्रम एक बड़ा मुद्दा रहा है। लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि समझौते से पुख्ता समाधान तक पहुंचने के लिए तय की गई 60 दिन की अवधि परमाणु मुद्दे से कहीं ज्यादा जंग को स्थायी रूप से रोकने की अग्निपरीक्षा है। अगले दो महीनों में तय होगा कि अमेरिका और ईरान के बीच परस्पर भरोसा कितना मजबूत होता है। समझौता मानने से इन्कार कर चुका इस्राइल आगे क्या रुख अपनाता है। बम, ड्रोन और मिसाइलों के इस्तेमाल में कितना

संयम बरता जाता है, और समझौते की शर्तों का कितनी शिद्दत से पालन किया जाता है, क्योंकि यही पश्चिम एशिया में शांति की राह तय करने में निर्णायक साबित होगा।

चार बातों पर टिका समाधान: इस्राइल की आक्रामक कार्रवाइयों पर अमेरिका किस हद तक नियंत्रण रख पाता है। अमेरिकी नौसेना ईरानी समुद्री क्षेत्र के पास अपनी नाकेबंदी कितनी तेजी से हटाती है। अमेरिका और उसके अरब सहयोगी ईरान के फंड को कितनी जल्दी जारी करते हैं। क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य वापसी का दायरा कितना बड़ा और वास्तविक होता है। परमाणु मुद्दे पर ईरान का पलड़ा भारीः यह बात काफी हद तक साफ हो चुकी है कि अमेरिका-इस्राइल युद्ध अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहा। इसके विपरीत, ईरान अभूतपूर्व भू-राजनीतिक फायदा उठाने में सफल रहा। परमाणु वार्ता पर उसकी स्थिति मजबूत हुई है। यह समझौता परमाणु मुद्दे को युद्ध से पहले (27 फरवरी की स्थिति) की स्थिति पर छोड़ देता है। युद्ध से पहले अमेरिका के पास ईरान पर दबाव बनाने के दो मुख्य साधन थे। कड़े आर्थिक प्रतिबंध, जिन्होंने ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग-थलग कर दिया था और परमाणु ठिकानों को नेस्तनाबूद करना। जून 2025 में ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान नातंज, इस्फहान और फोर्डो में ईरान के परमाणु केंद्रों को भारी नुकसान पहुंचाना इसका प्रमाण है। ईरान ने इस पूरी जंग के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण के जरिये अमेरिका के दबाव को काफी कम कर दिया। उसने अमेरिकी सहयोगियों के सैन्य और ऊर्जा ठिकानों को जमकर नुकसान पहुंचाया। ईरान ने अमेरिका-इस्राइल के मुकाबले दोगुने ठिकानों को तबाह करके अपनी ताकत साबित की है।

ईरान से परमाणु ईंधन निकालने की जल्दी नहीं, मलबे के नीचे दबा है ज्यादातर हिस्सा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, उन्हें बम बनाने योग्य ईंधन को ईरान के भूमिगत ठिकानों से निकालने की कोई जल्दी नहीं है, जहां इसका ज्यादातर हिस्सा एक साल पहले अमेरिका की ओर से नतान्ज, फोर्डो और इस्फहान, सभी प्रमुख परमाणु केंद्रों पर बम गिराए जाने के बाद दबा हुआ है। उन्होंने कहा, अमेरिका समय के साथ ईरान के साथ मिलकर संवर्धित परमाणु सामग्री को निकालेगा और उसे नष्ट कर दिया जाएगा।

समझौते के बाद भी अमेरिका के हाथ खाली, विशेषज्ञ बोले- उल्टा यूएस को नुकसान ही उठाना पड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि इस समझौते के बाद भी अमेरिका के हाथ खाली हैं और अमेरिका अपने कोई भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि दोनों देशों के बीच शांति समझौता केवल युद्ध की पूर्व यथास्थिति की बहाली है। अगले 60 दिनों में होने वाली बातचीत तय करेगी कि अमेरिका को इस युद्ध और तबाही से कुछ हासिल होगा भी या नहीं। यह बात सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के पश्चिम एशिया प्रोग्राम के वरिष्ठ फेलो विल टॉडमैन ने कही।

युद्ध के पूर्व स्थिति ही बहल हो पाई: टॉडमैन के अनुसार, इस समझौते का मुख्य उद्देश्य युद्धविराम और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना है, जिससे स्थिति अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर हमले से पहले जैसी ही होगी। उन्होंने कहा, 'इस समय तक अमेरिका, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध शुरू करते समय तय किए गए किसी भी प्रमुख लक्ष्य को हासिल नहीं कर

पाया है।

अमेरिका और ईरान रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर सहमत हुए। इस कदम से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक के जरिए तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति फिर शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि समझौते का पूरा विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ईरान ने संकेत दिया है कि औपचारिक हस्ताक्षर समारोह के बाद ही समझौते को लागू किया जाएगा। औपचारिक समारोह शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में आयोजित होगा।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक की कोई बात नहीं: समझौते में ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम भंडार और उसके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े लंबित मुद्दों पर बातचीत के लिए 60 दिनों की समय-सीमा भी तय की गई है। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। उन्होंने कहा कि अगले 60 दिनों की बातचीत यह तय करेगी कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के संबंध में अमेरिका अपने लक्ष्यों को हासिल कर पाता है या नहीं।

टॉडमैन का मानना है कि ईरान परमाणु मुद्दों पर बड़े समझौते करने को तैयार नहीं होगा और उसे लगता है कि समय उसके पक्ष में है। उन्होंने कहा, 'ईरान संभवतः वार्ताओं को लंबा खींचने की कोशिश करेगा क्योंकि उसे नहीं लगता कि राष्ट्रपति ट्रंप मध्यावधि चुनावों से पहले फिर से सैन्य कार्रवाई करेंगे। ऐसे में अमेरिका के लिए अपने उद्देश्यों को हासिल करना कठिन होगा।

अमेरिका को उठाना पड़ा भारी रणनीतिक नुकसान

विशेषज्ञ के अनुसार तीन महीने से अधिक चले युद्ध ने अमेरिका के अपने प्रमुख क्षेत्रीय साझेदारों और सहयोगियों के साथ संबंधों को भी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अरब खाड़ी देशों को महसूस हुआ कि अमेरिका ने युद्ध से पहले और उसके दौरान उनकी चिंताओं और हितों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। इसी कारण ये देश अपनी सुरक्षा साझेदारियों में विविधता लाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम की जा सके। टॉडमैन ने कहा, 'यह संभावना कम है कि राष्ट्रपति ट्रंप या भविष्य का कोई अमेरिकी प्रशासन इस भरोसे की कमी को दूर करने के लिए पर्याप्त राजनीतिक पूंजी खर्च करेगा। ऐसे में अमेरिका और अरब खाड़ी देशों के संबंध धीरे-धीरे कमजोर हो सकते हैं।' उन्होंने कहा कि इस युद्ध ने अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों के बीच भी दूरी बढ़ा दी है। क्योंकि अधिकांश पश्चिमी देशों ने युद्ध का समर्थन नहीं किया था। टॉडमैन के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप सार्वजनिक रूप से नाटो की आलोचना कर चुके हैं कि उसने युद्ध में अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि यह विवाद ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को और कमजोर करने वाला एक नया कारण बन गया है।

जनकल्याण शिविर बना उम्मीदों का केंद्र, 11 हजार से अधिक आवेदन; योजनाओं का लाभ पहुंचाने विशेष अभियान शुरू

जनकल्याण शिविर जनता के लिए, हर जरूरतमंद तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश शासन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक संचालित विशेष जनकल्याण अभियान के तहत विकासखंड सीधी में त्रिदिवसीय जनकल्याण शिविर का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। जनपद पंचायत सीधी के सभागार में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य शासन की जनहितकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना, पात्र हितग्राहियों का पंजीयन सुनिश्चित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ सीधी विधायक रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जहां आमजन को एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों की सेवाएं और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है विधायक पाठक ने अधिकारियों से कहा कि वे पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि शिविर केवल औपचारिकता न बनकर लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन का माध्यम बने। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचे, यही इस अभियान की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना होगा विधायक ने कहा कि पिछले एक माह से घर-घर सर्वे कर ऐसे परिवारों और व्यक्तियों को चिन्हित किया जा रहा है, जो किसी कारणवश शासकीय योजनाओं के लाभ से अब तक वंचित रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से उन्हें योजनाओं से जोड़ने का व्यापक प्रयास किया जा रहा है

जनपद पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका ने जानकारी दी कि ग्राम पंचायतों के सहयोग से अब तक 11 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं। आगामी तीन दिनों में इस संख्या को और बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि अधिकतम पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से जोड़ा जा सके

शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं जहां नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं, शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के लाभ भी वितरित किए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में लोग शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करते नजर आए कार्यक्रम में विश्वबंधुधर द्विवेदी, पुनीत नारायण शुक्ल, पंकज पाण्डेय, पुष्पराज सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बिलौजी मेले में तीन बच्चे मजदूरी करते मिले श्रम विभाग ने पकड़ा, मेला संचालक पर FIR कराने की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। एनसीएल बाउंड्री स्थित बिलौजी मेले में मंगलवार दोपहर श्रम विभाग ने मेले के पहले ही दिन तीन नाबालिग लड़कों को मजदूरी करते पकड़ा टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों बच्चों को मुक्त कराया और उन्हें बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सौंपा। इसके साथ ही, मेला संचालक के खिलाफ स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज कराने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है श्रम विभाग की इस अचानक हुई कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी मौके पर तैनात था। इस जांच में मेले में संचालित हो रहे मौत का कुआं खेल पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं प्रतिबंधित मौत का कुआं और कंडम गाड़ियों से खेल बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश में मौत का कुआं खेल के संचालन पर प्रतिबंध है इसके बावजूद मेले में धड़ल्ले से इसका प्रदर्शन किया जा रहा था। इतना ही नहीं आरोप है कि इस खतरनाक खेल में कंडम और बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों का इस्तेमाल कर जोखिम भरे करतब दिखाए जा रहे थे जिससे वहां मौजूद दर्शकों की सुरक्षा को बड़ा खतरा हो सकता था श्रम निरीक्षक राहुल यादव ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि मेले में तीन नाबालिग बच्चों से काम कराए जाने का मामला सही पाया गया है। बच्चों को सुरक्षित संरक्षण में भेज दिया गया है और संबंधित संचालक के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है उन्होंने साफ लहजे में कहा कि बाल श्रम कानून का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा इस मामले पर चिंता जताते हुए सामाजिक कार्यकर्ता अन्नू पटेल ने कहा कि बच्चों से मजदूरी कराना एक गंभीर अपराध है उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों में इतनी सख्त कार्रवाई की जाए जिससे भविष्य में किसी भी अन्य आयोजन में नाबालिगों के शोषण पर पूरी तरह रोक लग सके मेला बंद होने का मंडराया संकट एनसीएल ने अपनी जमीन पर मेला लगाने की अनुमति पर्यावरण जागरूकता और सभी सरकारी नियमों के कड़ाई से पालन करने की शर्त पर दी थी।

शहडोल के पीएचई पंप हाउस में चोरी :ताला तोड़कर पंप मोटर समेत लाखों का सामान ले गए बदमाश, अज्ञात पर केस

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के बुढार थाना क्षेत्र स्थित हरी गांव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के पंप हाउस को चोरों ने अपना निशाना बनाया है अज्ञात बदमाशों ने रात के समय पंप हाउस का ताला तोड़कर वहां रखे कीमती उपकरण और मशीनें चुरा ली विभाग की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

सुबह कर्मचारी पहुंचे तो खुला मिला ताला: इस चोरी का खुलासा तब हुआ जब पीएचई विभाग के कर्मचारी रोज की तरह सुबह अपने काम के लिए पंप हाउस पहुंचे वहां उन्होंने मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ देखा और अंदर का सारा जरूरी सामान गायब था कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दी, जिसके बाद तत्काल पुलिस को मामले से अवगत कराया गया। खबर मिलते ही केसवाही चौकी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर सबूत जुटाए।

विभाग ने दर्ज कराई शिकायत, लाखों के सामान की आशंका: पीएचई विभाग के सुपरवाइजर शिवम त्रिपाठी ने इस चोरी के संबंध में बुढार थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक चोरों ने रात के अंधेरे में धावा बोलकर पंप हाउस में रखा पानी का पंप, मोटर, भारी मात्रा में केबल और अन्य तकनीकी उपकरण चुरा लिए हैं पुलिस फिलहाल चोरी गए इस पूरे सरकारी सामान की सही कीमत का आकलन करने में जुटी है।

ग्रामीणों ने की गश्त बढ़ाने की मांग: केसवाही पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चोरों का सुराग लगाने के लिए आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है और इलाके के संदिग्धों पर भी नजर रखी जा रही है इधर क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में नाराजगी है लोगों का कहना है कि पानी की सप्लाई से जुड़े सरकारी पंप हाउस में चोरी होने से आम जनता को परेशानी उठानी पड़ती है ग्रामीणों ने पुलिस से रात के समय इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

एनसीएल जयंत और चड्ढा कंपनी पर मकान गिराने का आरोप : मुआवजा भी नहीं मिला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। एनसीएल (NCL) जयंत परियोजना और चड्ढा कंपनी के खिलाफ एक महिला ने आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से न्याय की मांग की है पीड़ित महिला नीता देवी ने मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई कि कंपनी ने बिना किसी पूर्व नोटिस और मुआवजे के उनका दो कमरों का पक्का मकान बुलडोजर चलाकर गिरा दिया जिससे वे और उनका परिवार इस तपती गर्मी में बेघर हो गए हैं नीता देवी के अनुसार, चड्ढा कंपनी और एनसीएल के कर्मचारी और अधिकारी भारी अमले के साथ अचानक मौके पर पहुंचे और बिना कोई मौका दिए उनके मकान को ध्वस्त कर दिया महिला ने स्पष्ट किया कि जिस भूमि पर यह मकान बना हुआ था वह उनके पति के नाम पर सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज है वे पिछले कई वर्षों से वहां सपरिवार रह रही थीं और उनके पास जमीन के पक्के दस्तावेज और राजस्व विभाग के किए सीमांकन की रिपोर्ट भी मौजूद है इसके बावजूद, उन्हें न तो प्रशासन या कंपनी की ओर से कोई पूर्व सूचना या नोटिस दिया गया और न ही विस्थापन के एवज में किसी प्रकार का मुआवजा दिया गया थानों और तहसील के चक्कर काटकर थकी पीड़िता जनसुनवाई में नीता देवी ने कहा कि मकान तोड़े जाने के बाद से वे लगातार स्थानीय पुलिस थाना, तहसील कार्यालय और अन्य प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं, लेकिन रसूखदारों के दबाव में अब तक उनकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है उन्होंने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, मकान तोड़ने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

नहर में मिला युवक का शव :चेहरे पर चोट के निशान मर्चुरी में रखवाया शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिंगरौली जिले के विंध्यनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एनटीपीसी की मुख्य कैनाल नहर से एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई सेमरा बाबा मंदिर के पास ढोंगा पुलिया के पास पानी में शव मिला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं राहगीरों ने देखा नहर में शव जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10 बजे राहगीरों ने एनटीपीसी की मुख्य कैनाल नहर में एक युवक का शव को देखा सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई इसके बाद विंध्यनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र करीब (25-30) है उसके चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं हालांकि चोट कैसे लगी और मौत किन परिस्थितियों में हुई इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा मर्चुरी में रखवाया शव, पहचान जारी पुलिस ने शव को जिला अस्पताल ट्रॉमा सेंटर की मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया है फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है पुलिस आसपास के गांवों और थाना क्षेत्रों में जानकारी जुटा रही है विंध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के लिए पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के शक्तिनगर थाना पुलिस को भी सूचना दी गई है गुमशुदगी के मामलों का मिलान कर युवक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है अधिकारियों का कहना है कि युवक की पहचान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मौत दुर्घटना, आत्महत्या या किसी अन्य कारण से हुई है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत जिला रिसोर्स पर्सन हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आत्मनिर्भर भारत अभियान अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत जिले में जिला रिसोर्स पर्सन (डीआरपी) की नियुक्ति की जाएगी। सहायक संचालक उद्यान ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए जिले में 4 जिला रिसोर्स पर्सन का चयन किया जाना है। इसके लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 जून 2026 निर्धारित की गई है उन्होंने बताया कि जिला रिसोर्स पर्सन के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय या संस्थान से खाद्य प्रौद्योगिकी अथवा खाद्य इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्रीधारी अभ्यर्थी पात्र होंगे। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के तकनीकी उन्नयन, नए उत्पादों के विकास, गुणवत्ता आश्वासन, खाद्य सुरक्षा प्रबंधन एवं परामर्श सेवाओं में 3 से 5 वर्ष का अनुभव अपेक्षित है। खाद्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र में योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग, डीपीआर निर्माण एवं प्रशिक्षण का अनुभव रखने वाले व्यक्तियों का भी चयन किया जा सकेगा जिला रिसोर्स पर्सन लाभार्थियों को परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने, बैंक ऋण प्राप्त करने, एफएसएसएआई मानकों के अनुपालन, उद्योग आधार, जीएसटी सहित आवश्यक पंजीयन एवं लाइसेंस प्राप्त करने में मार्गदर्शन एवं हैंडहोल्डिंग सहायता प्रदान करेंगे।

सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों से खतरा :मेडिकल कॉलेज चौक पर भी पार्किंग से परेशानी; कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (एनएच-43) पर सड़क किनारे खड़े भारी वाहन लगातार सड़क हादसों की वजह बन रहे हैं स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई दुर्घटनाओं के बावजूद प्रशासन ने अवैध पार्किंग रोकने और भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया है सड़क पर लगती है भारी वाहनों की कतार स्थानीय नागरिकों के अनुसार, सोहागपुर थाने के सामने स्थित पेट्रोल पंप के आसपास ट्रक टैंकर और अन्य भारी वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं सड़क किनारे खड़े इन वाहनों से हाईवे संकरा हो जाता है जिससे अन्य वाहन चालकों को निकलने में परेशानी होती है रात के समय और तेज रफ्तार वाहनों के लिए यह स्थिति और अधिक खतरनाक बन जाती है पहले भी हो चुके कई हादसे इसी क्षेत्र में हाल ही में एक टैंकर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी इसके बाद उसी स्थान पर हुए दूसरे सड़क हादसे में दो लोग घायल हुए। वहीं, अज्ञात वाहन की टक्कर से दो मवेशियों की मौत की घटना भी सामने आ चुकी है लगातार हो रहे हादसों के बाद स्थानीय लोग सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं भारी वाहनों के लिए अलग पार्किंग की मांग स्थानीय लोगों का कहना है कि पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर भारी वाहनों के टायरों के निशान साफ दिखाई देते हैं जिससे स्पष्ट होता है कि यहां लंबे समय तक वाहन खड़े रहते हैं लोगों ने मांग की है कि हाईवे किनारे अवैध पार्किंग पर रोक लगाई जाए और भारी वाहनों के लिए अलग पार्किंग स्थल विकसित किया जाए ताकि दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके मेडिकल कॉलेज चौक के पास स्थित ढाबा और पंचर दुकान के सामने भी भारी वाहनों की पार्किंग यातायात के लिए परेशानी बन रही है यहां खड़े ट्रकों और टैंकरों की वजह से मेडिकल कॉलेज की ओर से आने-जाने वाले वाहन चालकों की दृश्यता प्रभावित होती है सामने से आने वाले वाहनों का सही अनुमान नहीं लग पाने के कारण यहां भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

पिता ने 8 साल के बच्चे से चलवाई स्कूटी,पुलिस बोली-नंबर के आधार पर कर होगी कार्रवाई वीडीयो

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बैढ़न-बरगवां मुख्य मार्ग पर एक व्यक्ति अपने छोटे बच्चे से स्कूटी चलवाता नजर आया। बताया जा रहा है कि बच्चा करीब 7 से 8 साल का है और वह मुख्य सड़क पर स्कूटी चला रहा था इस दौरान उसका पिता पीछे बैठा हुआ था घटना का वीडियो मंगलवार को सामने आया जिसके बाद यह सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया जानकारी के मुताबिक तेलाई क्षेत्र से गुजर रहे एक कार सवार ने यह दृश्य देखा और उसका वीडियो बना लिया। वीडियो में बच्चा स्कूटी चलाता दिखाई दे रहा है कार सवार ने स्कूटी रुकवाकर चालक से बात की तो पहले उसने कहा कि स्कूटी वह खुद चला रहा था हालांकि वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने कहा कि उसने साफ तौर पर देखा था कि स्कूटी बच्चा चला रहा था बातचीत के दौरान भी व्यक्ति अपनी गलती मानने के बजाय हेलमेट पहनने की बात कहता रहा बाद में उसने बच्चे से स्कूटी चलवाने की बात स्वीकार कर ली स्कूटी सवार की पहचान प्रवीण कुमार सोनी के रूप में हुई है वह मूल रूप से सीधी जिले के रहने वाले हैं और फिलहाल बैढ़न में निवास कर रहे हैं बातचीत के बाद वह वहां से चला गया यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि नाबालिग से वाहन चलवाना यातायात नियमों का उल्लंघन है ऐसे मामलों में चालान की कार्रवाई की जा सकती है उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो और वाहन नंबर के आधार पर संबंधित व्यक्ति की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है मामले की जांच जारी है।

सीधी की सोन नदी में डूबे चार लोग की मौत :SDERF ने 24 घंटे बाद तीन और शव निकाले, मैहर से आए थे पिकनिक मनाने

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र में सोन नदी के भंवरसेन घाट पर हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDERF) ने मंगलवार को 24 घंटे चले रेस्क्यू अभियान के बाद तीन और लापता लोगों के शव बरामद किए सोमवार को एक युवती का शव पहले ही मिल गया था जिससे मृतकों की कुल संख्या चार हो गई है एसडीईआरएफ की टीम ने मंगलवार को कई घंटों तक नदी में सघन तलाशी अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों शवों को नदी से बाहर निकाला गया। इस दौरान सीधी जिले के पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी भी घटनास्थल पर मौजूद रहे उन्होंने रेस्क्यू अभियान की निगरानी की और परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। प्रशासन ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

मृतकों के नाम: हादसे में जान गंवाने वालों में ज्योति सेन (24), सुभि सेन (15) और नीलू बैस (22) शामिल हैं जो सभी बूढ़ा बाउर, थाना रामनगर, जिला मैहर के निवासी थे। चौथे मृतक लखन केवट (26) घोगटपुर, जिला राजगढ़ के रहने वाले थे।

नहाने के दौरान भंवर में फंसे: यह घटना सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुई जब मैहर जिले से आए युवक-युवतियों का एक समूह सोन नदी के भंवरसेन घाट पर पिकनिक मनाने पहुंचा था नहाने के दौरान चार लोग गहरे पानी और भंवर की चपेट में आ गए सूचना मिलने पर रामपुर नैकिन थाना पुलिस, खड्डी चौकी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे थे सोमवार को एक युवती का शव घटनास्थल से करीब आधा किलोमीटर दूर नदी में मिला था जबकि तीन अन्य लापता थे मंगलवार को एसडीआरएफ द्वारा शेष तीनों शवों के बरामद होने के साथ ही रेस्क्यू अभियान समाप्त कर दिया गया प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में नदी के गहरे घाटों और भंवर वाले क्षेत्रों में जाने से बचें क्योंकि यह खतरनाक हो सकता है सीधी जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र स्थित सोन नदी के भंवरसेन घाट पर सोमवार दोपहर पिकनिक मनाने आए चार युवक-युवतियां और नाबालिग डूब गए इनमें से एक युवती का शव बरामद कर लिया गया है जबकि तीन अन्य की तलाश जारी है यह घटना मैहर जिले से आए एक परिवार और उनके रिश्तेदारों के साथ हुई।

करंट लगने से आउटसोर्स कर्मचारी की मौत बिजली फाल्ट सुधारते समय हुआ हादसा, जांच शुरू

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र में बिजली फाल्ट सुधारते समय एक आउटसोर्स कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना आकाशवाणी केंद्र के समीप मलचुआ निवासी कुंदन सिंह के साथ हुई कुंदन सिंह मध्य प्रदेश विद्युत मंडल (एमपीईबी) की ओर से कार्यरत क्रिस्टा कंपनी का आउटसोर्स कर्मचारी था वह शहरी क्षेत्र में बिजली फाल्ट सुधारने का काम करता था और एक उपभोक्ता के घर बिजली संबंधी खराबी सुधारने गया था प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुधार कार्य के दौरान अचानक बिजली लाइन में करंट प्रवाहित हो गया जिसकी चपेट में आने से कुंदन गंभीर रूप से झुलस गया आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

बिखरती ख़्वाहिशें और हमारा कर्तव्य

संपादकीय

अभिजीत दीपके प्लांटेड हैं या फिर युवाओं के आक्रोश को शब्द देने आये हैं, मालूम नहीं, लेकिन उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने या जुलूस निकालने का पूरा हक है। अभिजीत दीपके पर थप्पड़ चलाने वाला खुद को राष्ट्रवादी बता रहा था। उसकी प्रोफ़ाइल जब खँगाला गया तो वह आरएसएस से जुड़ा हुआ है।

आरएसएस के राष्ट्रवाद मुसलमान और पाकिस्तान से शुरू होता है और उस पर ख़त्म हो जाता है। उनके अंदर खाने में जातिवाद की खिचड़ी पकती रहती है। यही वजह है कि उन्होंने कभी जातिवाद के ख़िलाफ़ संघर्ष नहीं किया। हिन्दू एकता की बात की, लेकिन यह एकता मुस्लिमों के खिलाफ रहेगी। अंदर ब्राह्मणों की सर्वोच्चता बनी रहेगी और दलितों की स्थिति दोयम दर्जे की रहेगी। उसमें इंसान को केंद्र में रख कर कभी संघर्ष नहीं किया। कहने को वह स्वदेशी है, लेकिन अपने संगठन को मुसोलिनी के संगठन के तर्ज़ पर बनाया।

बाक़ायदा हिंदू महासभा के नेता और आरएसएस के मार्ग दर्शक डॉ बी एस मुंजे ने 1931 में मुसोलिनी से मुलाक़ात की थी। यहां तक कि गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ' वी आर आवर नेशनहुड ' में जर्मनी और इटली के फासीवादी विचारों का समर्थन किया है। गांधी जी की हत्या गोडसे ने की। उसका संबंध आरएसएस से था, लेकिन इस संगठन ने कभी स्वीकार नहीं किया। आज एक फ़र्ज़ी राष्ट्रवादी अभिजीत दीपके पर थप्पड़ मारता है, उसका संबंध भी आरएसएस से है, लेकिन आरएसएस कभी स्वीकार नहीं करेगा। यह इसलिए संभव है कि लिखित रूप से आरएसएस का कोई सदस्य नहीं है।

मोहन भागवत भी शायद ही आरएसएस के लिखित रूप से सदस्य होंगे। उसका कोई सदस्यता फ़ार्म नहीं है। लाठी पैना लेकर हज़ारों की संख्या में वे जमा होते हैं, मार्च करते हैं, लेकिन वे लिखित रूप से आरएसएस के नहीं हैं, इसलिए कोई जब आपराधिक घटना करता है, उससे पीछा छुड़ाना आसान है। यह धूर्तई कोई ईमानदार संगठन नहीं कर सकता। इसकी बुनियाद में ही बेईमानी और असत्य है, तब भला वह ईमानदार कार्यकर्ता कैसे पैदा करेगा? जिसका मक़सद झूठ हो, वह राष्ट्रवादी कैसे हो सकता है? प्रधानमंत्री पीएम केयर फ़ंड को यों ही छुपाए हुए नहीं हैं। उनका मातृ संगठन अरबों का खेल करता है, लेकिन कोई खाता- बही नहीं है। वह बीजेपी की सरकार चलाता है। सरकारी पैसे से बनी जेड सुरक्षा श्रेणी का उपभोग करता है, लेकिन आरएसएस सरकार को कोई हिसाब किताब नहीं देगा, क्योंकि वह व्यक्तियों का समूह है। शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक सभी को है- बीजेपी, कांग्रेस, सपा, अन्य कोई संगठन या व्यक्ति- सभी को। अभिजीत दीपके के पीछे लोग षड्यंत्र थ्योरी देखनेवाले लोगों की संख्या कम नहीं है, लेकिन उसे शांतिपूर्ण आंदोलन करने से कोई नहीं रोक सकता। दुर्भाग्य यही है जिस देश में अहिंसा के पुजारी को गोली मार कर लोग गौरवान्वित होते हैं, उस देश को बहुत कुछ सीखने की ज़रूरत है। मौजूदा परिस्थिति में सड़क पर उतरने के सिवा रास्ता क्या है? कोर्ट आप जा नहीं सकते। उससे कोई उम्मीद बची नहीं। विधायिका की लूट सरेआम हो रही है।

ट्रंप की हां नेतन्याहू की ना ईरान की वाह-वाह

सनत जैन

ईरान और अमेरिका के बीच शांतिवार्ता सफल हुई, अब शुक्रवार अर्थात जुम्मे के दिन समझौते पर हस्ताक्षर होने की बात कही जा रही है। इस समझौते को लेकर सारी दुनिया के देशों में एक सुखद प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की प्रतिक्रिया इस समझौते को लेकर ना वाली है। जिसके कारण ईरान और अमेरिका के बीच जो समझौता हुआ है उस पर हस्ताक्षर होने के पहले ही विवादों में फंस गया है। ऐसा लगता है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर इन दिनों शनि, राहु और केतु की क्रुद्ध दृष्टि है, जिसके कारण वह जो सोचते हैं ठीक उसके विपरीत होता है। समय और काल का प्रभाव पूरे ब्रह्मांड में रहता है, यही कारण है दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति को यह दिन देखना पड़ रहे हैं। वह ईरान के साथ युद्ध से बाहर निकलने के लिए अभी तक कई प्रयास कर चुके हैं। 40 बार से अधिक दफा झूठ बोल चुके हैं। उसके बाद भी वह इस युद्ध की विभीषिका से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। हाल ही में जी7 के सम्मेलन में भी उन्हें अपने सहयोगी देशों से सहयोग नहीं मिला, जिसकी वह आशा करके जी7 के सम्मेलन में गए थे। जिस तरह से निकाह में लड़की से पूछा जाता है कि तुम निकाह के लिए राजी हो या नहीं, इस अवसर पर काजी उपस्थित रहता है लड़की यदि हां कर देती है, इसके बाद काजी साहब निकाह की रस्म अदा करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समझौते पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हां नहीं कर पाए हैं। यही वजह है कि शांति समझौते को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जो प्रयास किए गए थे वह सब निष्फल होते हुए नजर आ रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल स्वतंत्र राष्ट्र है इस पर यह समझौता लागू नहीं किया जा सकता है। इजराइल अमेरिका का गुलाम नहीं है। ऐसा कहकर उन्होंने अपनी तीव्र प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से जाहिर कर दी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रह दशा इन दिनों बड़ी खराब चल रही है। उनके साथ उनके ही विश्वासपात्र लोग विश्वासघात कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप समझ नहीं पा रहे हैं वह करें तो क्या करें। ईरान जैसा देश जिसके ऊपर अमेरिका और यूरोप के देशों ने पिछले 47 वर्षों से तरह-तरह के प्रतिबंध लगा रखे थे ईरान हर प्रतिबंध को झेल रहा था। उसने कभी किसी के ऊपर, कोई हमला नहीं किया। वह अमेरिका के खिलाफ ऐसा लड़ेगा यह तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के किसी भी देश ने नहीं सोचा था। फरवरी माह से जो युद्ध शुरू हुआ था उसकी परिणति इस रूप में होगी यह ना तो अमेरिका ने सोचा था ना ही इजराइल ने सोचा था। इस सारे विवाद में ईरान की जैसे लॉटरी खुल गई है। ईरान की जो संपत्तियां जप्त की गई थीं, ईरान के जो पैसे जप्त किए गए थे, उन सबको लौटाने की जिम्मेदारी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खाड़ी के देशों पर डालना चाहते हैं। अरब देशों की रक्षा अमेरिका नहीं कर पाया, अब सब ईरान के साथ सहयोग करके अपने आप को बचाने में लगे हुए हैं। कहा तो यह भी जा रहा है, कि यूएई ने भी ईरान के साथ समझौता कर लिया है। ऐसी स्थिति में ईरान की किस्मत पलट गई है। पिछले 4 दशकों से ईरान की जनता ने जो दुख भोगे थे वह अब खत्म होने की कगार पर आ गए हैं। ईरान के अच्छे दिन अब शुरू हुए हैं। इजराइल के खराब दिन अब शुरू होना प्रारंभ हो गए हैं। इस युद्ध में इजराइल में जो बर्बादी हुई है वह किसी से छिपी हुई नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू ने जो सोचा था। ठीक उसके विपरीत परिणाम देखने को दोनों को मिल रहे हैं। अमेरिका और इजराइल दोनों की मति खराब हो गई है, जब उन्हें मिलकर निर्णय करना था उस समय वह एक दूसरे के खिलाफ खड़े हुए हैं। इससे दोनों को नुकसान होना तय है।

फिलिस्तीन और गाजा में इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु ने जो नरसंहार किया था। महिलाओं और बच्चों को भी बेरहमी से मारा गया था। लगता है उन सभी की बददुआ डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहु को लग रही है। उनके भगवान भी अब उनकी मदद नहीं कर रहे हैं। लगता है जो कर्म किए थे अब उनके फल मिलना दोनों को शुरू हो गए हैं। बहरहाल ईरान के जहां अच्छे दिन शुरू होते हुए दिख रहे हैं वही सारी दुनिया को इस लड़ाई से एक संदेश भी मिल रहा है अति सर्वत्र वर्जयेत। कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों ना हो जब वह अहंकारी हो जाता है, जनता को कष्ट और दुख देने लगता है, अपने आप को भाग्य विधाता मानने लगता है तब जो हाल वर्तमान में डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू के हो रहे हैं वही होता है। भारत में भी इसके सेकडो उदाहरण है। अभी ऐसा लग रहा था कि युद्ध समाप्त हो गया है सारी दुनिया में जो भय और आतंक फैला हुआ था उससे मुक्ति मिलेगी, लेकिन लगता है कि अभी और भी नुकसान होना है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही आशंका व्यक्त की जा रही है।

राम मंदिर में दानपात्र में गड़बड़ी हुई है तो उसपर विश्वास करें आपस में ना लड़े

संजय गोस्वामी

राम मंदिर अयोध्या में 500 सालों के बाद बना और समाज बादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने दान सम्पति पर करोड़ो के गबनहोने का आरोप लगा लिया है। इस मामले में अब गजब का माहौल देखने को मिल रहा है इसमें अब तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, उनके पास से लाखों रुपये की बरामदगी भी कई है। मामला बढ़ने के बाद जांच तेज कर दी गई इस मामले पर चिंता जताने वाले नेताओं में अब ,सीनियर बीजेपी नेता और राम जन्मभूमि आंदोलन के अनुभवी नेता विनय कटियार भी शामिल हो गए हैं।रविवार को अपने घर पर पत्रकारों से बात करते हुए कटियार ने कहा कि अगर ट्रस्टी खुद ही गड़बड़ी में शामिल पाए जाते हैं, तो इससे मंदिर प्रोजेक्ट का मकसद ही क्या ।कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में एसआईटी गठित की गई है और अब दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा इसमें मंदिर के ट्रस्टी चंपत को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है बाद में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ। अनिल मिश्रा और परिसर व्यवस्थापक गोपाल राव हैं, जिन पर मंदिर व्यवस्था की जिम्मेदारी होने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार 7 जून को चढ़ावे की गिनती के दौरान एक कर्मचारी सीसीटीवी में नोटों की गड्डी छिपाते हुए दिखाई दिया ऐ सब का ध्यान भगवान राम पर नहीं बल्कि उस धन पर टीका है जो किसी ने दान किया होगा अब आप इस मुद्दे पर आपस में ही लड़ेंगे तो दूसरे लोग आपके धर्म का मज़ाक उड़ा देंगे इससे राम के नाम पर एक विश्वास टूटेगा भगवान हैं राम अगर किसी ने करोड़ का दान दिया तो खुश होंगे ऐसा बिलकुल नहीं है वो सेवा के प्रति अपने को मर्यादा में रहने की शक्ति देते हैं आखिर क्यों दिया भगवान राम जो दुनिया को चला रहें हैं वो पैसे के मोहताज होंगे इसी पैसे से गरीबों को बाँट देते तो सार्थक होता खैर जहाँ तक पैसा चुराने की बात है वो अंत में पैसा लेकर कहाँ जाएगा सब यहीं रहने वाला है इसलिए इस पर विवाद से बचना चाहिए आप समझदार बनो दूसरे के दुःख में काम आओ और इंसान बनने की कोशिश करे जो भगवान राम का सच्चा भक्त है वो यहाँ नहीं कहीं एकांत में उनका ध्यान कर रहा होगा और भगवान राम जब रावण को हराकर अयोध्या आए थे तो राम ने हनुमानजी की सहायता से लंका के राजा रावण को हराया था। और युद्ध जीतने के बाद वह सीता माता, लक्ष्मण जी, हनुमानजी और अपने दूसरे साथियों के साथ अयोध्या पहुँचे। जब वह अयोध्या के राजा बने तब सीता माता ने उनसे निवेदन किया कि जिन्होंने भी युद्ध जीतने में उनकी सहायता की है वह उन्हें धन्यवाद के रूप में कुछ भेंट देना चाहती हैं। सीता माता ने सबको कुछ न कुछ अनमोल भेंट दी। अब हनुमानजी की बारी थी। राम मुस्कुराते हुए बोले, 'आप भला हनुमान को क्या भेंट देंगी? इनकी निस्वार्थ सेवा और भक्ति का तो कोई मोल हो ही नहीं सकता।' माता सीता ने फिर भी अपनी एक मोतियों की माला, हनुमानजी को भेंट में दी। हनुमानजी उस माला के एक-एक मोती को दाँतों से तोड़कर देखा और ज़मीन पर फ़ेंक दिया। सीता माता ने हनुमानजी से पूछा, 'आपने ऐसा क्यों किया हनुमान? क्या आपको यह माला पसंद नहीं आई?' 'ऐसी बात नहीं है माता, पर यह भेंट मेरे किसी काम की नहीं, क्योंकि इसमें मुझे मेरे प्रभु राम नहीं दिखे। अगर मोतियों में राम नहीं तो इनका मोल मेरे लिए मिट्टी के समान है।' 'तो क्या आपके अंदर राम हैं?' सीता माता ने पूछा। सीता माता के ऐसा कहते ही हनुमानजी ने अपना सीना चीर कर सबको अपने हृदय में बसे राम-सीता की छवि के दर्शन कराए। जैसे हनुमानजी ने राम का कार्य किसी उपहार के लालच में नहीं किया बल्कि इसलिए किया क्योंकि राम की सेवा करके उन्हें आनंद मिलता था। वैसे ही क़ोई किसी चीज के लालच में ना पड़े भगवान राम का सच्चा भक्त ब्रह्मचारी होता है क्योंकि उसका प्रेम राम से है ऐ आपके सामने की कई घटना जो रामरहीम से लेकर आशाराम बापूजी तक है जो ब्रह्मचारी बनने का पाठ पढ़ाते थे आज उस नियम को तोड़ कर काम के वश में आ गए और अब जेल में अदालत के फैसला से गए हैं अतः पता नहीं ऐसे कितने बाबा होंगे जो धर्म की आड़ लेकर झूठ बोलकर आपको कुछ बताता होगा और वो भी कहीं उसी जाल में तो नहीं है? भगवान राम से सबसे बड़ी शिक्षा लेने की यह जरुरी है सच बोलो झूठ का सहारा नहीं नहीं तो एक झूठ से बचने के लिए हजार झुठ बोलना पड़ेगा और आपकी नींद ख़राब बौगी सेहत पर बुरा असर पड़ेगा राम सेवा

सत्य और प्रेम में विश्वास रखते हैं एक तरफ आपके पास भौतिक बस्तु का जाल पड़ेगा फिर आप फंस इसलिए जातो हो कि ऐ सामर्थ नहीं है कि उसी के लिए जीना और उसी के लिए मरना और जब तक काम के बंधन से मुक्त नहीं होंगे तब तक उसके लिए आप गलत काम भी कर देते हैं आपको यह अहसास नहीं होता है कि जिस माता पिता ने आपको पालन पोषण किया हैं उनको बुढ़ापे में अकेले इसलिए छोड़ देते हो कि मेरी पत्नी प्यारी है और मैं उसके साथ काम में वशीभत हो ताकि उसके साथ मजे कर सकूँ इसलिए आप भगवान राम के लाख पूजा करनेपर भी उसका प्रकाश नहीं दीखता जब दिखेगा तो फिर उसमें विलीन होने की इक्छा होगी क्योंकि वो इतना तेज है कि बाली को मोक्ष मिला और गोस्वामी तुलसीदास जी ने जब स्त्री का मोह त्याग दिया तब वो राम चरित्र मानस लिखा और दुनिया को हिंदी में भगवान राम का उपदेश सबको इसलिए बताया क्योंकि यह आपको संकट से बचाता है आपको गलत और सही का फर्क मालूम होता है

एक बार मेरे पिताजी का हाथ फिसलने से टूट गया मैं मुंबई से पटना तुरंत पहुँचा वहाँ जब पिताजी को देखा तो दर्द से कराह रहें थे किसी ने बहुत ही भरोसा से बोला कि यह डॉक्टर बहुत बढ़िया है पिताजी ने विश्वास किया और जब डॉक्टर के पास गए तो वहाँ मेरी माँ भी थी माँ का एक बेटा अपनी माँ का टुटा हुआ हाथ के इलाज के लिए आया था वो बहुत कराह रही थी बाद में उसके लड़के ने बताया कि मेरा भाई ही औरत की बात में आकर माँ को मार कर इसका हाथ तोड़ दिया है मुझे बहुत दुःख हुआ कि आखिर माँ ने ऐसा क्या किया जो जान लेने पर उतारु है ऐ उसका एक नालायक बच्चा ही होगा ऐसे आजकल एक नहीं कई मामले हैं जो कोरोना काल में आपने देखा होगा देखो पहला भगवान ऊपर वाला है और अगर क़ोई दूसरा भगवान है तो आपके माता पिताजी ही हैं कुछ भी बोले उनकी बात पर गुस्सा नहीं होना नहीं तो दुनिया से जाने के बाद आपको बहुत तकलीफ होगा कौन सही हैं कौन गलत इसका पता भगवान राम के ध्यान से ही मालूम होगा और भगवान राम के ध्यान के लिए में आपको ब्रह्मवर्चस के नियम को पालन करना होगा ब्रह्मवर्चस का शाब्दिक अर्थ ब्रह्म का तेज या दिव्य आभा है। जिसने अपने दिमाग़ से काम वासना को निकाल कर फेंक दिया समझ लेना वह ब्रह्मवर्चस का नियम पालन कर सकता है जो अध्यात्म में, यह वह उत्कृष्ट आत्मबल, सात्विक ऊर्जा और ज्ञान-तेज है जो एक साधक को कठोर तपस्या और शुद्ध जीवनशैली से प्राप्त होता है। भगवान राम अब ब्रह्मचारी वह व्यक्ति है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर पवित्रता और संयम का पालन करता है ब्रह्मचर्य केवल विवाह न करना या वासना से दूर रहना नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है, जिसे भगवान राम ने अपनाया था,एक सच्चे ब्रह्मचारी के मन में वासना या कामुक विचार नहीं आते हैं? वह वासना पर नियंत्रण रखता है सभी इंद्रियों (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) को वश में रखता है ब्रह्मचारी अपने वीर्य या प्राण-ऊर्जा की रक्षा करता है, जिससे उसका शरीर और मस्तिष्क बेहद ऊर्जावान रहता है सात्विक आहारः वह अत्यधिक मसालेदार, तला-भुना, और उत्तेजक भोजन से बचता है। उसका आहार सात्विक और नियंत्रित होता है वह दिखावे और अत्यधिक शारीरिक साज-सज्जा से दूर रहता है, क्योंकि सादा जीवन उसका व्यक्तित्व स्वयं ही आकर्षण का केंद्र होता है ब्रह्मचर्य के पालन से चेहरे पर एक अलग चमक (ओज) होती है और बुद्धि अत्यंत प्रखर व स्मरण शक्ति मजबूत हो जाती है उनका मन सांसारिक मोह-माया के बजाय ज्ञान, ध्यान और ईश्वरीय चिंतन में अधिक लगता है उनके दिनचर्या में अनुशासन होता है और वे सुबह जल्दी उठने और योग/व्यायाम को प्राथमिकता देते हैं,संयमित ऊर्जा के कारण उनमें परोपकार और निस्वार्थ समाज सेवा की प्रबल भावना होती है भगवान राम ने प्रजा के प्रति अपने राजधर्म का पालन करने और राज्य की गरिमा बनाए रखने के लिए माता सीता का त्याग किया था।इसके पीछे की मुख्य घटनाएं और कारण निम्नलिखित हैं:प्रजा के संदेह और लांछनः अयोध्या लौटने के बाद, एक धोबी ने माता सीता के रावण की लंका में रहने पर सवाल उठाया और उनके चरित्र पर लांछन लगाया।राजा का धर्मः एक राजा के रूप में भगवान राम का मानना था कि राज्य की शांति और प्रजा का विश्वास बनाए रखना सर्वोपरि है। एक आदर्श राजा (मर्यादा पुरुषोत्तम) होने के नाते, उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर प्रजा के हित को रखा।माता सीता की इच्छाः कुछ पौराणिक कथाओं और रामायण के प्रसंगों में यह भी आता है कि माता सीता स्वयं नहीं चाहती थीं कि राजा राम पर कोई अंगुली उठाए, इसलिए उन्होंने राज्य और कुल की मर्यादा की रक्षा के लिए स्वेच्छा से वन जाना स्वीकार किया।ऋषि भृगु का श्रापः कई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह अलगाव ऋषि भृगु द्वारा भगवान विष्णु को दिए गए उस श्राप का परिणाम था, जिसके कारण उन्हें मानव रूप में अपनी पत्नी से वियोग सहना पड़ा था। राम ने कभी अपनी पत्नी (सीता) पर संदेह नहीं किया, लेकिन एक जन-कल्याणकारी राजा के रूप में उन्हें यह कठोर निर्णय लेना पड़ा। सीता का त्याग (वाल्मीकि रामायण के अनुसार):प्रजा के प्रति कर्तव्यः रावण की लंका से लौटने के बाद, अयोध्या की प्रजा माता सीता के चरित्र और इतने समय तक असुरों की लंका में रहने पर सवाल उठाने लगी थी।राजा की निष्पक्षताः एक राजा (राजधर्म) के रूप में, भगवान राम के लिए यह आवश्यक था कि उनकी प्रजा उन पर पक्षपात का आरोप न लगाए। राज्य की एकता और आदर्श मर्यादा स्थापित करने के लिए उन्होंने भारी मन से गर्भवती सीता को वन में जाने का निर्णय लिया।व्यक्तिगत प्रेमः व्यक्तिगत रूप से भगवान राम को माता सीता की पवित्रता पर कोई संदेह नहीं था, लेकिन राजा के रूप में उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुख का बलिदान दिया।सुरक्षाः उन्हें राज्य से बाहर नहीं निकाला गया था, बल्कि महर्षि वाल्मीकि जी के आश्रम में भेजा गया था, जहाँ उन्हें एक रानी और माता के समान संपूर्ण सम्मान और सुरक्षा प्राप्त थी।माता कौशल्या पर प्रभावःमाता कौशल्या के लिए यह वियोग असहनीय था। जब राम ने सीता जी का त्याग किया, तो वे बहुत दुखी हुई। राम के अयोध्या लौटने और राजतिलक के बाद भी माता सीता के साथ उनका गहरा लगाव था।जब माता सीता वन में महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में गई, तो माता कौशल्या और राम के भाई भरत सहित पूरा राजपरिवार इस निर्णय से बहुत व्यथित था। उन्हें अपने प्रिय पुत्र राम के इस कठोर और त्यागमय जीवन का बहुत दुःख था, परंतु राम-राज्य की मर्यादाओं के कारण वे सभी इस दुख को सहने के लिए विवश थे। वाल्मीकि रामायण के अरण्यकांड के अनुसार, भगवान राम, लक्ष्मण और माता सीता ने 14 वर्षों के वनवास के दौरान अत्यंत कठोर ब्रह्मचर्य का पालन किया था?वे अयोध्या के महलों का सुख त्याग कर केवल कंदमूल और फल खाते थे और उन्होंने भूमि पर शयन करके एक संयमित और तपस्वी जीवन व्यतीत किया था भगवान राम एक बार एक ब्रह्मचारी सन्यासी के नियमों और निष्ठा की परीक्षा लेने के लिए स्वयं उस रूप में प्रकट हुए थे वाल्मीकि रामायण (अरण्यकांड, सर्ग 19) में स्वयं माता सीता ने रावण को बताया था कि उनके पति भगवान राम और लक्ष्मण कठोर ब्रह्मचारी हैं। ब्रह्मचारी और राम का संबंध अटूट है? यदि आप ब्रह्मचारी के होंठों पे राम की बात कर रहे हैं, तो इसका अर्थ है उस साधक या भक्त से है, जिसकी वाणी और हृदय में केवल भगवान राम का वास होता है? ऐसे शुद्ध मन वाले भक्तों के लिए कहा जाता हैः अर्थात, जिस व्यक्ति के मन में राम हैं (जो पवित्र और विकार-मुक्त है), वहाँ काम-वासना नहीं रह सकती?आजीवन ब्रह्मचारी और राम भक्तःइस प्रसंग में सबसे पहला और प्रमुख नाम बजरंगबली हनुमान जी का आता है उन्हें राम का सबसे बड़ा और आदर्श भक्त माना जाता है हनुमानः वे आजन्म ब्रह्मचारी थे और उनके रोम-रोम में राम बसे हुए थे उन्होंने अपना पूरा जीवन और शक्ति भगवान राम की सेवा में समर्पित कर दी। इसलिए राम के सबसे बड़े भक्त हनुमान हैं जिसे ना तो चढ़ावे की पड़ी है ना किसी धन दौलत कि क्योंकि भगवान राम से बड़ा बहुमूल्य है तो राम का ध्यान और उसकी सेवा इसलिए राम मंदिर में कौन क्या लें जा रहा है कौन चोरी कर रहा है कौन इसकी चुगली कर रहा है एसआईटी की जाँच कमिटी बैठाने से विपक्ष इसका मज़ाक उड़ायेगा क्योंकि ट्रस्ट आखिर किसने बनाया और कितना भी धन लें लें बाद में यहीं छोड़ कर जाना है जब राम हैं तो अपने भक्तो को मालामाल ही कर रहें तो क्यों परेशान हो रहें है सबसे बड़ा है धैर्य जो आपमें नहीं है जीवन में पैसा सबकुछ नहीं होता है संस्कार अच्छा होना चाहिए किसी पर गुस्सा ना हो शान्ति से काम लें क़ोई कुछ जब इस संसार से लेकरभी नहीं जा सकता है तो परेशानी किस बात की अंत में राम नाम ही सत्य होगा तो इतना चिंता किस बात कि इससे आपस में ही मतभेद बढ़ेंगे और जब जब आप आपस में लड़ेंगे तो इसका फायदा क़ोई और उठालेगा। भगवान राम ईश्वर है उसपर बिश्वास कीजिए वो कुछ भी गलत नहीं होने देगा।

राम के नाम पर हजारों करोड रुपए के चंदे का घोटाला?

इन सवालों का संबंध मुख्य रूप से चंदा संग्रह, भूमि खरीद और मंदिर को मिलने वाले दान के उपयोग में कोई पारदर्शिता कभी नहीं रही है। जब आंदोलन चल रहा था उस समय जो राशि एकत्रित हो रही थी। उसे आंदोलन चलाने में खर्च किया गया। राम मंदिर आंदोलन के दौरान 1980 के दशक से देशभर में व्यापक स्तर पर चंदा संग्रह के कई अभियान चलाए गए थे। लाखों लोगों ने पिछले 40 वर्षों में अपनी श्रद्धा के अनुसार राम मंदिर आंदोलन और राम मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया।

सोहिल जैन

राजनीतिक उद्देश्यों के लिए हुआ चंदे का उपयोग

भाजपा और विश्व हिंदू परिषद भी निशाने पर

राम मंदिर, चंदा और पारदर्शिता?

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है। कई दशकों तक चले आंदोलन, न्यायिक संघर्ष और जनसमर्थन के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ। मंदिर आंदोलन और निर्माण से जुड़े आर्थिक प्रबंधन को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे हैं। लाल कृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा के दौरान भी करोड़ों रुपए का चंदा एकत्रित हुआ था। राम मंदिर का आंदोलन विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में हो रहा था। समय-समय पर कई कार्यक्रमों के जरिए चंदा एकत्रित किया गया, लेकिन कभी भी इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। समय-समय पर चंदा चोरी और गवन के आरोप भी लगते रहे हैं।

इन सवालों का संबंध मुख्य रूप से चंदा संग्रह, भूमि खरीद और मंदिर को मिलने वाले दान के उपयोग में कोई पारदर्शिता कभी नहीं रही है। जब आंदोलन चल रहा था उस समय जो राशि एकत्रित हो रही थी। उसे आंदोलन चलाने में खर्च किया गया। राम मंदिर आंदोलन के दौरान 1980 के दशक से देशभर में व्यापक स्तर पर चंदा संग्रह के कई अभियान चलाए गए थे। लाखों लोगों ने पिछले 40 वर्षों में अपनी श्रद्धा के अनुसार राम मंदिर आंदोलन और राम मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। चंदे को लेकर समय-समय पर विश्व हिंदू परिषद कार्य सेवकों एवं आंदोलन से जुड़े हुए लोगों में विवाद होता रहा है। एक दूसरे के ऊपर आरोप भी लगाए जाते रहे हैं। लेकिन कभी भी चंदे के धंधे में कोई पारदर्शिता नहीं बरती गई। उस दौर में

जुटाई गई राशि और उसके उपयोग का सार्वजनिक लेखा-जोखा कभी सामने नहीं आया। आंदोलन से जुड़े संगठनों का कहना था, धन का उपयोग आंदोलन और संबंधित गतिविधियों में किया गया है।

मंदिर निर्माण के लिए गठित राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भी देश व्यापी निधि समर्पण अभियान चलाया। केंद्र एवं राज्यों में भाजपा की सरकार थी। भाजपा संगठन से जुड़े हुए सभी संगठनों के नेताओं कार्यकर्ताओं एवं करोड़ों लोगों ने मुक्त हस्त से भरपूर चंदा दिया।

ट्रस्ट ने विभिन्न अवसरों पर प्राप्त धनराशि और बैंक खातों की जानकारी सार्वजनिक की है। लेकिन इसका लेखा पुस्तिकाओं में इंद्राज हुआ है या नहीं या कभी इसका ऑडिट कराया गया हो वह सार्वजनिक नहीं किया गया। उत्तर भारत के मंदिरों में राम मंदिर में बड़े पैमाने पर दान और चंदा आ रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हैं। पारदर्शिता की मांग करने वाले लोगों का कहना है, नियमित और विस्तृत ऑडिट रिपोर्टें तथा व्यय का पूरा विवरण सार्वजनिक होना चाहिए। आरोप लगाने वाले यह भी कहने लगे हैं, भगवान राम के नाम पर लूट करने वालों के ऊपर लगाम लगाने की जरूरत है।

सबसे बड़ा विवाद वर्ष 2021 में भूमि खरीद को लेकर सामने आया था। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और कुछ अन्य नेताओं ने दस्तावेज के साथ आरोप लगाया था। मंदिर ट्रस्ट से संबंधित भूमि सौदों में कम समय के भीतर जमीन की कीमत कई गुना बढ़ाकर दिखाई गई। आरोपों के समर्थन में कुछ दस्तावेज भी सार्वजनिक किए गए थे। सैकड़ो करोड रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए। ट्रस्ट ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था, सभी खरीद-फरोख्त कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा इन आरोपों की कभी कोई सक्षम एजेंसी से जांच नहीं कराई गई, जिसके कारण अब मामला तेजी के साथ तूल पकड़ रहा है।

मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या के विभिन्न मंदिरों और राम मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे में लगातार वृद्धि हुई है। बड़ी मात्रा में नकद दान, सोना-चांदी और मूल्यवान वस्तुएं मंदिर को प्राप्त हो रही हैं। ऐसे में दान के प्रबंधन, सुरक्षा और लेखांकन को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं। संस्था के पदाधिकारियों के ऊपर आरोप भी लग रहे हैं। कुछ स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है, इतने बड़े धार्मिक संस्थान में वित्तीय पारदर्शिता के सर्वोच्च मानकों का पालन होना चाहिए। दक्षिण के मंदिरों की व्यवस्था पारदर्शी है, वहीं अयोध्या के राम मंदिर में सब कुछ राम भरोसे है। राम मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधन में पूर्व वरिष्ठ नौकरशाहों, विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी, तथा भाजपा से जुड़े प्रतिष्ठित प्रभावशाली व्यक्तियों की भूमिका ट्रस्ट के कामकाज में है। जिसके कारण कभी भी ना तो कोई जांच हो पाती है ना ही कोई पारदर्शी व्यवस्था बन पा रही है।

इस मामले में ट्रस्ट का कहना है, उसकी गतिविधियां विधिसम्मत हैं। सभी वित्तीय व्यवस्था नियमों के अनुसार संचालित होती हैं।

राम मंदिर के दान पत्र चढ़ावे में जो चोरी हो रही थी, अब यह मामला सार्वजनिक हो गया है। यह मुद्दा केवल राम मंदिर का नहीं है, देश के सभी बड़े धार्मिक संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही का भी है। करोड़ों श्रद्धालु अपनी आस्था और विश्वास के आधार पर दान करते हैं। इसलिए यह स्वाभाविक है, वे यह जानना चाहते हैं, उनका योगदान किस प्रकार से उपयोग में लाया जा रहा है।

आस्था और पारदर्शिता एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। किसी भी धार्मिक संस्था की विश्वसनीयता तब और मजबूत होती है। जब उसके वित्तीय प्रबंधन और निर्णय प्रक्रिया पर आम जनता और भक्तों का विश्वास बना रहे। पिछले कुछ वर्षों में यह भी आरोप लगने लगे हैं। धार्मिक आस्था को कुछ लोगों की कमाई का जरिया बना लिया गया है। धार्मिक स्थलों में बड़े-बड़े पूंजीपति घुस रहे हैं। जो आस्था के नाम पर कमाई करने में लगे हुए हैं। राम मंदिर जैसे राष्ट्रीय महत्व के धार्मिक केंद्र के संदर्भ में वित्तीय व्यवस्था पारदर्शिता के साथ हो। राम मंदिर ट्रस्ट में जो लोग जुड़े हुए हैं वह सत्ता पक्ष से जुड़े हुए लोग हैं। उन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। जिस तरह से यह मामला सामने आया है, यह राजनीतिक विवाद का कारण भी बनता चला जा रहा है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक सम्पन्न

सुशासन तिहार के आवेदनों के त्वरित निराकरण, मौसमी बीमारियों की रोकथाम स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की मजबूती और शुद्ध पेयजल आपूर्ति पर विशेष जोर

9,484 आवेदनों में 5,261 का निराकरण, विभागवार समीक्षा कर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्रदाय सेवाओं तथा सुशासन तिहार 2026 के तहत प्राप्त मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य शासन और जनता के बीच की दूरी को कम करना तथा प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने तथा जनहित से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए बैठक में सुशासन तिहार 2026 की प्रगति रिपोर्ट की विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले के 69 शासकीय कार्यालयों में अब तक कुल 9,484 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 9,027 मांगें एवं 457 शिकायतें शामिल हैं। प्रशासन द्वारा अब तक 5,261 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है, जबकि 4,223 आवेदन विभिन्न विभागों में लंबित हैं। कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को व्यक्तिगत निगरानी में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए समीक्षा के दौरान बताया गया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में सर्वाधिक 931 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या पेयजल व्यवस्था से संबंधित है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के पास 561 आवेदन प्राप्त हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जनपद पंचायत खड़गवां में 1,392, जनपद पंचायत भरतपुर में 1,231 तथा जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में 1,055 आवेदन दर्ज किए गए हैं शहरी क्षेत्र में नगर पालिक निगम चिरमिरी में प्राप्त अधिकांश आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है राजस्व विभाग के अंतर्गत तहसील कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई तथा राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए बैठक में आगामी वर्षा ऋतु के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की विशेष समीक्षा की गई कलेक्टर ने मौसमी एवं जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग नगरीय निकायों, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश दिएझ उन्होंने कहा कि डायरिया मलेरिया डेंगू, वायरल फीवर तथा अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएं तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखी जाए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी जिला चिकित्सालय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक जीवन रक्षक एवं सामान्य दवाइयों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि वर्षाकाल में किसी भी स्वास्थ्य संस्था में दवाइयों की कमी की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। साथ ही सर्पदंश की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में स्नेक एंटी वेनम (एएसवी) की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने, चिकित्सकीय टीमों को प्रशिक्षित करने तथा आपातकालीन उपचार व्यवस्था को हर समय सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगरीय निकायों को पेयजल स्रोतों की नियमित जांच, जल गुणवत्ता परीक्षण एवं क्लोरीनेशन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में दूषित पेयजल से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी जल स्रोतों की सतत निगरानी आवश्यक है। पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा अथवा शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करने तथा प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

एमसीबी में विकास प्रदर्शनी बनी जनजागरण का महाकेंद्र, दूसरे दिन उमड़ा जनसैलाब

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में आयोजित विशेष विकास एवं जनकल्याण प्रदर्शनी जनजागरण और जनसंपर्क का प्रभावी मंच बन गई है प्रदर्शनी के दूसरे दिन हजारों नागरिकों की उपस्थिति ने इसे जिले में आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना दिया सुबह से शाम तक प्रदर्शनी स्थल पर लगातार भीड़ बनी रही और लोगों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की प्रदर्शनी में बच्चों, युवाओं, महिलाओं किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों तथा वरिष्ठ नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों का अवलोकन किया कृषि ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य शिक्ष, आवास, पेयजल महिला सशक्तिकरण, रोजगार, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे से संबंधित योजनाओं को आकर्षक पोस्टरों, डिजिटल डिस्प्ले, पुस्तिकाओं एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों के जरिए प्रदर्शित किया गया प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया एवं पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाओं की जानकारी ने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। युवाओं ने रोजगार एवं कौशल विकास संबंधी जानकारियों में रुचि दिखाई, जबकि महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों एवं महिला सशक्तिकरण योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। किसानों ने कृषि योजनाओं एवं अनुदान संबंधी विवरण जाना प्रदर्शनी स्थल पर मौजूद अधिकारियों द्वारा आगंतुकों को योजनाओं की पात्रता आवेदन प्रक्रिया एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है जिससे पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिल सके। कई नागरिकों ने मौके पर ही आवेदन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की इच्छा भी जताई वरिष्ठ नागरिकों ने प्रदर्शनी को उपयोगी बताते हुए कहा कि एक ही स्थान पर सभी योजनाओं की जानकारी मिलना अत्यंत लाभकारी है नागरिकों ने इस आयोजन को शासन और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बताया।

दुकान से बाहर कब्जा करने वालों को समझाइश :डीएसपी बोले- दुकान की हद से बाहर सामान रखा तो करेंगे कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम शहर के बाजार क्षेत्र में दुकान की सीमा से सड़क तक सामान रखने वाले व्यापारियों को सोमवार रात को समझाइश दी गई यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा, कोतवाली टीआई गौरव सिंह बुंदेला यातायात निरीक्षक सुनीता पटेल ने संयुक्त रूप से यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और सड़क किनारे हो रहे अतिक्रमण पर नियंत्रण के लिए संयुक्त रूप से शहर का भ्रमण किया सतरास्ता इंदिरा चौक और अस्पताल तिराहा सहित प्रमुख बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया अधिकारियों ने दुकानदारों को अपना सामान दुकान की सीमा के भीतर रखने और सड़क पर अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश दी पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण से यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है सभी व्यापारियों से यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की बावजूद अगर कोई हद से बाहर सामान रखता और उससे यातायात बाधित होता है तो कार्रवाई की जाएगी दो महीने चार दुकानदारों पर एफआईआर नहीं बदल रहे हालत कोतवाली थाना पुलिस ने अप्रैल महीने में चार व्यापारियों के खिलाफ दुकान से सामान रखने पर एफआईआर दर्ज कर चुकी हैं। जिसमें महेश टीवी सेंटर एवं विजय इलेक्ट्रॉनिक्स के कूलर सड़क पर रखे मिले। जिस पर महेश टीवी सेंटर एव विजय इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालकों के विरुद्ध धारा 285 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है शिव फर्नीचर एवं अनिल बूट हाउस के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। बावजूद बाजार क्षेत्र में हालत नहीं बदल रहे अतिक्रमण करने से व्यापारी बाज नहीं आ रहे।

3 डिप्टी कलेक्टर, PRO और खनिज निरीक्षक बदले

जनसंपर्क अधिकारी रश्मि देशमुख को भेजा रीवा, संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले की वापसी

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। तबादले के सीजन में नर्मदापुरम जिले में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। शासन द्वारा डिप्टी कलेक्टर से लेकर तहसीलदार, जनपद सीईओ, जनसंपर्क अधिकारी और खनिज निरीक्षक तक कई विभागों के अफसरों की अदला-बदली की गई है इस फेरबदल में जिले से तीन डिप्टी कलेक्टरों का तबादला अन्य जिलों में हुआ है जबकि उनके बदले एक संयुक्त कलेक्टर की जिले में वापसी हुई है प्रशासनिक बदलाव के तहत नर्मदापुरम से 3 डिप्टी कलेक्टरों को अन्य जिलों में भेजा गया है इनमें सोहागपुर एसडीएम प्रियंका भल्लावी को रायसेन नर्मदापुरम एसडीएम जय सोलंकी को राजगढ़ और डिप्टी कलेक्टर नीता कोरी का तबादला जबलपुर किया गया है। वहीं, संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले को वापस नर्मदापुरम जिले में पदस्थ किया गया है। गौरतलब है कि नितिन टाले इससे पहले पिपरिया एसडीएम के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं अरुण राठौर होंगे नए PRO, बसंत पाटिल खनिज निरीक्षक जनसंपर्क और खनिज विभाग में भी अहम बदलाव हुए हैं। जनसंपर्क विभाग की संयुक्त संचालक रश्मि देशमुख का तबादला रीवा कर दिया गया है। उनकी जगह उज्जैन से अरुण राठौर को नर्मदापुरम भेजा गया है, जो जिले के नए जनसंपर्क अधिकारी (PRO) होंगे। इसके अलावा, खनिज विभाग की निरीक्षक पिंकी चौहान का तबादला छिंदवाड़ा हुआ है और बालाघाट से खनिज निरीक्षक बसंत पाटिल को नर्मदापुरम भेजा गया है जनजातीय कार्य विभाग में भी अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है विभाग के सहायक आयुक्त विवेक नागवंशी का तबादला दतिया कर दिया गया है उनके स्थान पर अब आशा मौर्य को प्रभारी सहायक आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जेल की दीवारों के भीतर पहुंची संवेदनशील स्वास्थ्य सेवा, उप जेल मनेन्द्रगढ़ में 94 बंदियों की व्यापक जांच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उप जेल मनेन्द्रगढ़ में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में बंदियों के स्वास्थ्य की विस्तृत जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया शिविर के दौरान कुल 94 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी (HBsAg), हेपेटाइटिस-सी (HCV) एवं वीडीआरएल जैसी महत्वपूर्ण जांचें भी की गईं, जिससे संक्रामक रोगों की समय रहते पहचान सुनिश्चित हो सके जांच के दौरान 10 बंदियों में उच्च रक्तचाप तथा एक बंदी में मधुमेह के लक्षण पाए गए। सभी चिन्हित बंदियों को तत्काल चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया तथा उनके नियमित उपचार एवं निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इसके अतिरिक्त नेत्र परीक्षण में 26 बंदियों में दृष्टि एवं नेत्र संबंधी समस्याएं चिन्हित की गईं, जिन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आवश्यक उपचार एवं सलाह दी गई शिविर में मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार सिंह, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. भाषिता साहू एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमल वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीम ने सेवाएं प्रदान कीं। स्वास्थ्य दल में स्टाफ नर्स, आईसीटीसी काउंसलर, लैब टेक्नीशियन, नेत्र सहायक, फार्मासिस्ट एवं अन्य कर्मचारी भी शामिल रहे सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि बंदियों का स्वास्थ्य भी समाज के अन्य नागरिकों के समान महत्वपूर्ण है।

पेट्रोल पंप पर ट्रैक्टर-हार्वेस्टर की 200 मीटर लंबी कतार, डीजल लेने के लिए धूप में खड़े किसान, बोले- गेहूं, यूरिया के बाद अब डीजल की किल्लत

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में डीजल की किल्लत से किसान परेशान हैं पंपों पर ट्रैक्टरों की लंबी कतारें लग रही हैं सड़क निर्माण कंपनियां उद्योगों के वाहन और किसान एक ही लाइन में डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं दरअसल कमर्शियल उपयोग के लिए भी डीजल लेने के लिए पंपों पर भीड़ लग रही है मंगलवार को नर्मदापुरम पिपरिया स्टेट हाईवे पर सेमरी हरचंद में भारत पेट्रोलियम कंपनी के पंप पर 200 मीटर लंबी कतार लगी। जहां डीजल के लिए ट्रैक्टर, हार्वेस्टर एक ही कतार में लगे रहे। डीजल लेने की जल्दी में किसान कतार तोड़कर आगे पीछे ही रहे जिससे बाइक कार में पेट्रोल डलवाने वाले लोग भी परेशान हो रहे डीजल भरवाने ट्रैक्टर हार्वेस्टर लेकर पहुंचे किसान, सड़क पर लगा जाम किसानों का कहना है कि डीजल की सबसे ज्यादा जरूरत खेती-किसानी में होती है, लेकिन नए नियमों का बोझ सबसे ज्यादा किसानों पर ही पड़ रहा है सेंधरवाड़ा के किसान गोलू राजपूत ने बताया खेत में मूंग फसल पककर खड़ी है।जिसकी हार्वेस्टर मशीन खेत में कटाई होनी है लेकिन डीजल के लिए किल्लत हो रही है पहले केन में डीजल देते थे पर अब नहीं दें रहे इसलिए मजबूरी में किराए का टैक्टर लेकर उसमें डीजल भरवाने आया हूं दो घंटे से कतार में लगा हूं 5हजार से ज्यादा का डीजल नहीं दें रहे दीवान खेरी निवासी भावेश दुबे ने बताया धान मचाई और फसल कटाई के लिए डीजल की जरूरत है डीजल नहीं मिल रहा है सेमरीहरचंद में तीन पेट्रोल पंप है दो पर डीजल नहीं है तीसरे पंप पर डीजल लेने सुबह 10 बजे से आया हूं दोपहर 12 बजे तक डीजल नहीं मिल पाया तीन दिन पहले जाम की बनी थी स्थिति जिले के इटारसी और डोलरिया में तीन दिन पहले शनिवार सुबह तनावपूर्ण स्थिति हो गई किसान ट्रैक्टर और हार्वेस्टर लेकर डीजल लेने पहुंचे डीजल नहीं मिलने पर जाम लग गया करीब 200 ट्रैक्टर और 50 हार्वेस्टर एकत्र होने से यातायात प्रभावित हुआ किसानों ने इटारसी में भी जाम लगाया था पेट्रोल पंप पर भीड़ अधिक होने से पंप के मालिक अशोक कुमार पटेल को स्वयं आकर खड़े होना पड़ा वे गाड़ियों में डीजल भरते नजर आएं उन्होंने बताया माल की सप्लाई कम हो रही है पंप पर भीड़ अधिक है और दो कर्मचारी छुट्टी पर है।

जिला स्तरीय समर कैंप में बच्चों की प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन

हस्तशिल्प, कला, योग, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, अधिकारियों ने की मुक्तकंठ से सराहना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में जिला स्तरीय समर कैंप का भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम में जिले के विभिन्न पीएम विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा दस दिवसीय समर कैंप के दौरान तैयार की गई हस्तकलाओं शिल्प कृतियों, कलात्मक मॉडलों एवं क्राफ्ट सामग्री की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई इसके साथ ही विद्यार्थियों ने योग संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मीरे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन पाण्डेय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ़ के प्राचार्य संजीव कुमार तथा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मनेंद्रगढ़ के प्राचार्य आर.के. शर्मा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण चंदन वंदन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पौड़ीडीह की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुईझ इसके पश्चात पीएम शासकीय प्राथमिक शाला चनवारीडांड के बच्चों ने राज्य गीत की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया पीएम शासकीय प्राथमिक शाला खैरबना की छात्रा द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भी उपस्थित जनों का मन मोह लिया समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों द्वारा अर्जित कौशल का प्रदर्शन करते हुए पीएम शासकीय प्राथमिक शाला चनवारीडांड के बच्चों ने योग की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित अधिकारियों एवं शिक्षकों ने खूब सराहा वहीं हारमोनियम पर राष्ट्रगान का वादन पीएम शासकीय प्राथमिक शाला चनवारीडांड के छात्र द्वारा तथा राष्ट्रगीत का वादन पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पौड़ीडीह के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दस दिवसीय समर कैंप में विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों हस्तशिल्प सामग्री शिल्प मूर्तियों एवं रचनात्मक मॉडल्स की प्रदर्शनी रही अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की सृजनात्मकता कल्पनाशीलता एवं कलात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, नवाचार और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं उद्बोधन में जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मीरे ने कहा कि प्रत्येक बच्चे के भीतर असीम संभावनाएं और प्रतिभाएं निहित होती हैं समर कैंप जैसे आयोजन बच्चों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और निखारने का अवसर प्रदान करते हैं उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ कला, संस्कृति, खेल और रचनात्मक गतिविधियों में भी आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराएं, ताकि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि समर कैंप में बच्चों द्वारा प्रस्तुत प्रदर्शन शिक्षकों के समर्पण और परिश्रम का प्रत्यक्ष प्रमाण है उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे नवाचारपूर्ण कार्यक्रम शिक्षा को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाते हैं।

एंट्री को लेकर गार्डों और परिजनों में मारपीट मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में देर रात हंगामा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के मेडिकल कॉलेज में सोमवार रात मरीज के परिजनों और सुरक्षा गार्डों के बीच जमकर हंगामा और मारपीट हो गई इमरजेंसी वार्ड में एंट्री को लेकर शुरू हुआ यह विवाद इतना बढ़ा कि स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को बुलाना पड़ा कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया और मामले को शांत कराया ठकुरपुरा निवासी एक बुजुर्ग महिला को सोमवार रात इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया था महिला को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराने के दौरान परिजनों के अंदर जाने को लेकर वहां तैनात सुरक्षा गार्डों से कहासुनी हो गई देखते ही देखते यह सामान्य बहस मारपीट और बड़े हंगामे में बदल गई।

दोनों पक्षों ने लगाए मारपीट के आरोप: मरीज के परिजन किरण पाल ने आरोप लगाया है कि सुरक्षा गार्डों ने उनके बेटे को अकेला घेरकर उसके साथ मारपीट की है वहीं दूसरी तरफ एक गार्ड ने भी परिजनों पर अभद्रता करने और थप्पड़ मारने का आरोप लगाया है दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए इन आरोपों-प्रत्यारोपों के कारण अस्पताल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा।

पुलिस कर रही मामले की जांच: हंगामे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम मेडिकल कॉलेज पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया विवाद शांत कराने के बाद पुलिस किरण पाल और उनके परिजनों को कोतवाली थाने ले गई पुलिस ने किरण की शिकायत पर एनसीआर (NCR) दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगेठ उसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जनकल्याण शिविर- पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने हेतु शासन की पहल जारी मौके पर ही 23 आवेदनों का हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। जिले में जनकल्याण शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही हितलाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को नगर पालिक निगम बुरहानपुर द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर वार्ड क्रमांक 01 से 12 तक के वार्डो के लिए तिलक हॉल, बुरहानपुर तथा वार्ड क्रमांक 13 से 39 तक के वार्डो के लिए रेडक्रास हॉल, शनवारा पानी की टंकी के पास शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाकर नागरिकों को योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। शिविर स्थल पर विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आयोजित शिविरों में विभिन्न योजनाओं से संबंधित कुल 78 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 23 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही प्रचलन में है। शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के 3, समग्र में नाम जोड़ने एवं सत्यापन के 8, जन्म प्रमाण पत्र का 1, राशन कार्ड में नाम जोड़ने के 8, संबल योजना के 10, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 12 तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के 21 आवेदन सहित अन्य योजनाओं के आवेदन प्राप्त हुए। वहीं आधार कार्ड अपडेशन हेतु भी नागरिकों ने सेवाओं का लाभ लिया, जिसमें 15 आधार अपडेट संबंधी कार्य किए गए।

जनकल्याण शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ विधायक नरसिंहगढ़ शर्मा ने किया फील्ड टेस्ट किट का वितरण

मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। विकासखंड नरसिंहगढ़ में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई। शिविर में विधायक नरसिंहगढ़ मोहन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहियों से संवाद किया तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर बल दिया। इस अवसर पर विधायक नरसिंहगढ़ शर्मा द्वारा संबंधित विभाग के मैदानी अमले को फील्ड टेस्ट किट का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित की जा सकेगी, जिससे आमजन को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्रवाई की गई। साथ ही उपस्थित नागरिकों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार रोकथाम दिवस के अवसर पर सीहोर स्थित संकल्प वृद्धाश्रम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजनों के प्रति होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक एवं सामाजिक शोषण को रोकना तथा दुर्व्यवहार की रोकथाम के लिए समाज को संवेदनशील एवं जागरूक बनाना था। कार्यक्रम में सभी को जागरूक करते हुए बताया गया कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, ज्ञान एवं मार्गदर्शन से परिवार और समाज को दिशा मिलती है। ऐसे में उनका सम्मान, सुरक्षा और देखभाल करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। अनेक बार वृद्धजन उपेक्षा, आर्थिक शोषण, मानसिक प्रताड़ना तथा सामाजिक अलगाव जैसी समस्याओं का सामना करते हैं, जिनकी रोकथाम के लिए परिवार और समाज दोनों को सकारात्मक भूमिका निभानी होगी। इस अवसर पर वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली गई।

भोजपुर विधायक पटवा सुल्तानपुर में आयोजित जनकल्याण शिविर हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सुल्तानपुर में भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा के मुख्य आतिथ्य में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के प्रारंभ में भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिनके माध्यम से आमजन की समस्याओं के समाधान के साथ ही सरकार की जनहितैषी और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के अंत्योदय के संकल्प के अनुरूप सरकार की प्रत्येक योजना का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचे, इसी ध्येय और प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है। विधायक पटवा ने शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया और जानकारी ली। साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। जनकल्याण शिविर में अनेक विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही नागरिकों से आवेदन भी प्राप्त किए गए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिला जेल में राज्यव्यापी 'योग सप्ताह अभियान' का

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बंदियों एवं अधिकारियों ने किया योगाभ्यास स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। विदिशा । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित राज्यव्यापी 'योग सप्ताह अभियान' का शुभारंभ सोमवार को जिला जेल विदिशा में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना तथा बंदियों में सकारात्मक जीवन मूल्यों का विकास करना रहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष शेख सलीम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रमाकांत भारके, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नितेन्द्र सिंह तोमर, जेल अधीक्षक प्रियदर्शनवास्तव, जिला विधिक सहायता अधिकारीमती दिव्या भलावी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल चीफ सुरजीत सिंह सिकरवार, लीगल एड असिस्टेंट विनोद कुशवाह, अनिमेष तिवारी, जेल स्टॉफ तथा बड़ी संख्या में बंदीगण उपस्थित रहे। राज्यस्तरीय अभियान का शुभारंभ कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, उच्च न्यायालय जबलपुर मध्यप्रदेश विवेक रूसिया द्वारा केन्द्रीय जेल जबलपुर में किया गया। इस उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला जेल विदिशा में भी प्रदर्शित किया गया, जिससे उपस्थित अधिकारी एवं बंदी राज्यस्तरीय आयोजन से जुड़ सके। उद्घाटन सत्र के उपरांत ऑनलाइन माध्यम से योगाभ्यास एवं प्राणायाम का विशेष सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। साथ ही योग के नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक लाभों, मानसिक तनाव में कमी, एकाग्रता में वृद्धि तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के संचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं। कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों एवं बंदियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ योग सत्र में भाग लिया तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। योग सप्ताह अभियान के माध्यम से बंदियों को आत्म-सुधार, आत्म-अनुशासन तथा मानसिक सुदृढ़ता की दिशा में प्रेरित करने का प्रयास किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष शेख सलीम ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि जेलों में योग कार्यक्रमों के नियमित आयोजन से बंदियों में आत्मविश्वास, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच का विकास होता है। योग मानसिक तनाव को कम करने के साथ-साथ जीवन में नई ऊर्जा और आशा का संचार करता है, जिससे व्यक्तित्व निर्माण एवं पुनर्वास की प्रक्रिया को भी बल मिलता है। उन्होंने कहा कि योग केवल एक शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक बनाती है। योग सप्ताह अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि समाज में स्वास्थ्य एवं जागरूकता का वातावरण निर्मित हो सके। जिला जेल में आयोजित यह कार्यक्रम योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने, बंदियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने तथा उन्हें सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए 33 मरीजों को इंदौर भेजा

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। खण्डवा । राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छैगांवमाखन में निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर लगाकर मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण बिरला ने बताया कि नेत्र जांच शिविर में 70 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से मोतियाबिंद के चिन्हित 33 मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चौइथराम नेत्रालय इंदौर भेजा गया। डॉ. बिरला ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छैगांवमाखन में प्रति सोमवार, गुरुवार व शनिवार निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जाता है।

नटेरन में तीन दिवसीय मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर संपन्न: 384 में से 294 आवेदन मौके पर ही हल

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। स्थानीय जनपद परिसर में आयोजित तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का भव्य और सफल शुभारंभ हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले हितग्राहियों की समस्याओं और शिकायतों का मौके पर ही त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करना रहा, जिसमें प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे जमीनी स्तर पर आम जनो तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित इस त्रि-दिवसीय शिविर को कुशल प्रबंधन के लिए तीन क्लस्टर में आयोजित किया गया था। ग्राम पंचायतों के सचिवों और रोजगार सहायकों के माध्यम से क्लस्टर अनुसार पात्र हितग्राहियों को चिह्नित कर शिविर का लाभ दिलाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

ऑन-स्पॉट निराकरण से खिले ग्रामीणों के चेहरे, 90 आवेदन समय-सीमा में सूचीबद्ध - शिविर के दौरान कुल 384 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकारियों की सक्रियता के चलते 294 आवेदनों का मौके पर ही (ऑन-स्पॉट) निराकरण कर हितग्राहियों को त्वरित राहत प्रदान की गई है। वहीं, जिन 90 शिकायतों का किसी तकनीकी या अन्य कारणवश मौके पर निराकरण नहीं हो पाया, उन्हें अधिकारियों द्वारा समय-सीमा के भीतर निराकृत करने हेतु सूचीबद्ध किया गया है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति - शिविर के दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह मुस्तैद नजर आए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक सूर्य प्रकाश मीना उपस्थित रहे। इसके साथ ही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अजय प्रताप सिंह पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जीतेंद्र जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल सिंह रघुवंशी एवं उपाध्यक्ष नीलेश धाकड़, तहसीलदार आनंद कुमार जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी विशेष रूप से मौजूद रहे।

ओंकारेश्वर के नर्मदा घाट पर एसडीईआरएफ जवानों ने किया सफल रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। सोमवती अमावस्या के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ जवानों को घाटों पर व्यापक सुरक्षा एवं बचाव व्यवस्था के लिए तैनात किया था। सोमवार को ब्रह्मपुरी घाट पर एसडीईआरएफ जवानों ने त्वरित साहसिक कार्रवाई करते हुए तीन श्रद्धालुओं को डूबने से बचाया जिससे संभावित हादसा टल गया। डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड आशीष कुशवाह ने बताया कि सोमवार को बिहार के छपरा निवासी श्रद्धालु क्रिस पिता अशोक शर्मा उम्र 22 वर्ष एवं महाराष्ट्र के आनंद पिता अशोक हलवाई स्नान के दौरान निर्धारित सुरक्षा सीमा से आगे गहरे पानी की ओर चले गए। घाट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा बार-बार सावधान किए जाने के बावजूद दोनों युवक गहराई में पहुंच गए तथा डूबने की स्थिति निर्मित हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए घाट पर तैनात एसडीईआरएफ जवान हरिराम सोलंकी ने तत्काल नदी में छलांग लगाकर लाइफ बॉय की सहायता से दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस बचाव कार्य में एसडीईआरएफ सैनिक राकेश पटेल की भी महत्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका रही। इसके अलावा ब्रह्मपुरी घाट पर ही धार जिले के कृतिक पिता कमल पाटीदार, उम्र 15 वर्ष अपने साथियों के साथ स्नान करते समय सुरक्षा रेलिंग के बाहर जाने का प्रयास करते हुए गहरे पानी में फंस गया तथा डूबने लगा। स्थिति को भांपते हुए एसडीईआरएफ जवान हरिराम सोलंकी एवं राकेश पटेल ने तत्काल सुरक्षा नाव के माध्यम से घटनास्थल पर पहुंचकर नाविक अरुण वर्मा के सहयोग से किशोर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

वृद्धाश्रम में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार दिवस

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में जिले के स्थानीय वृद्धाश्रम परिसर में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में जिले से लगभग 100 से अधिक वरिष्ठ जनों ने सहभागिता की। उप संचालक सामाजिक न्याय कमलेश सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों पर हो रहे दुर्व्यवहार, अत्याचार, सोशल क्राइम, वित्तीय ठगी एवं शारीरिक, मानसिक, सामाजिक शोषण की रोकथाम को लेकर जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर विधिक जानकारी देने हेतु अतिथि के रूप में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स मती सुरेंद्र कौर उपस्थित रही। उन्होने वरिष्ठ जन अधिकार अधिनियम 2007 के नियम 2009 के अंतर्गत सभी भरण पोषण संबंधी जानकारी दी। इस अवसर पर पेंशनर संघ के अध्यक्ष बी.आर. सगर एवं सार्थक सेवा आश्रय समिति के अध्यक्ष बलराम काले उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि माह में एक बार माता- पिताओं का गेट टू गेदर होना अनिवार्य है। आप जिस भी सोसाइटी में रहते हैं, अपने वृद्धों को माह में एक बार आपस में मिलवाईये एवं असहाय वृद्ध जनों के लिए अनुकूल वातावरण बनायें। इसके अलावा कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग, जिले की स्वैच्छिक संस्थाएं, पेंशनर्स एसोसिएशन, वरिष्ठ नागरिक मंच एवं वृद्धाश्रम के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान सिलवानी और गैरतगंज में जनकल्याण शिविर में शामिल हुए

हितग्राहियों को सौंपे हितलाभ क्षेत्र में सड़कों, अस्पतालों और जनसुविधाओं के विकास को नई गति मिली है

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा के सिलवानी और गैरतगंज के दौरे पर थे। केन्द्रीय मंत्री ने सिलवानी और गैरतगंज में आयोजित जन-कल्याण शिविर में शिरकत कर हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। उन्होंने सिलवानी में सिविल अस्पताल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया और अस्पताल परिसर में पौधरोपण भी किया। इस दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, लोकतंत्र में नेता जनता का सेवक होता है और जनता ही सबसे बड़ी है। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है और जनप्रतिनिधि कोई अहसान नहीं करते, बल्कि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि, ताली बजवाना ठीक है, स्वागत करना भी परंपरा का हिस्सा है, लेकिन बार-बार खड़े होकर अत्यधिक सम्मान दिलवाना मुझे उचित नहीं लगता। मैं तो हमेशा कहता हूँ कि हम सब एक परिवार हैं। सिलवानी, बेगमगंज, बमोरी, प्रतापगढ़ और पूरा क्षेत्र मेरा अपना परिवार है। उन्होंने कहा कि, मैं मानता हूँ कि परंपराएँ अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन लोकतंत्र में सबसे ऊपर जनता होती है और जनता की सेवा करना ही हमारा सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि सिलवानी मेरा परिवार है और मैं यहां मेहमान नहीं बल्कि मामा बनकर अपने परिवार के बीच आया हूं। साथ ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिलवानी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थी मोहन विश्वकर्मा के नवनिर्मित पक्के आवास का निरीक्षण किया और परिवार के साथ भोजन भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बढ़ा भारत का गौरव केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि, पिछले 12 वर्षो में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर सम्मान की दृष्टि से देख रही है और विकसित, आत्मनिर्भर व समृद्ध भारत के निर्माण का सपना तेजी से साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि, हाल ही में विकसित देशों के सम्मेलन में छोटे किसानों के हितों की भारत द्वारा रखी गई बात को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया, जो देश के लिए गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री मान नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक गौरवशाली, वैभवशाली, शक्तिशाली, समृद्ध और सम्पन्न विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। जनकल्याण शिविरों के माध्यम से पारदर्शी तरीके से मिलेगा योजनाओं का लाभ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि अलग-अलग विभागों की योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर पारदर्शी तरीके से पात्र हितग्राहियों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि मंच से सार्वजनिक रूप से हितलाभ वितरण करने से पारदर्शिता बनी रहती है और किसी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना समाप्त हो जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि सभी प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए और पात्र हितग्राहियों को बिना विलंब लाभ दिया जाए। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत क्षेत्र के अनेक गांवों की सड़कों को स्वीकृति दी गई है और संबंधित ग्रामीणों को स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। सिलवानी अस्पताल में नए भवन के साथ चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित की गई है ताकि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसके अलावा विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया गया। उन्होंने कहा कि जनकल्याण शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का विभागवार परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार शीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाएगा और जिला प्रशासन इस प्रक्रिया की सतत निगरानी करेगा। हर गरीब को मिलेगा पक्का मकान, सर्वे में किसी पात्र का नाम नहीं कटेगा केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को अब तक 13 लाख से भी अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं और प्रत्येक पात्र गरीब परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि चल रहे फिजिकल वेरिफिकेशन के दौरान पूरी संवेदनशीलता बरती जाए और किसी वास्तविक पात्र गरीब का नाम गलती से भी सूची से बाहर न हो। उन्होंने कहा कि जिनके पास कच्चा मकान है, उन्हें हर हाल में पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा।

शरणार्थी शिविर से फीफा विश्वकप तक पहुंचे नेस्टोरी

मियामी एजेंसी। फीफा विश्वकप फुटबॉल में इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही मुकाबले में जीत दिलाने वालो खिलाड़ी नेस्टोरी इरानकुंडा हीरो बनकर उभरे हैं। तुर्किये के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 27वें मिनट में शानदार गोल दागकर उन्होंने न केवल अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, बल्कि 20 वर्ष और 125 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनने की भी उपलब्धि अपने नाम की है।

नेस्टोरी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर में जन्मे नेस्टोरी के माता-पिता को बुरुंडी में गृहयुद्ध के कारण अपना देश छोड़ना पड़ा था और शरण लेने के लिए तंजानिया पहुंचना पड़ा था। इसी दौरान नेस्टोरी का जन्म हुआ। बचपन में ही उनका परिवार ऑस्ट्रेलिया चला आया, जिसने उनकी जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। यहीं पर नेस्टोरी ने फुटबॉल खेलना शुरु किया और धीरे-धीरे अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। एडिलेड यूनाइटेड के लिए खेलते हुए उन्होंने घरेलू फुटबॉल में अपनी पहचान बनाई, अपनी गति, तकनीक और आक्रामक खेल से ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गये। साल 2024 में जर्मनी के दिग्गज क्लब बायर्न म्यूनिख ने इस फुटबॉलर को अवसर दिया हालांकि जर्मनी में चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं। उन्होंने क्लब की दूसरी टीम के लिए कई मुकाबले खेले, पर वरिष्ठ टीम में उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए, नेस्टोरी को नियमित खेल समय की आवश्यकता थी, जिससे उन्हें अपने भविष्य को लेकर चिंता होने लगी। इसी बीच, उन्होंने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया और वर्ष 2025 में इंग्लैंड के क्लब वॉटफोर्ड से जुड़ गए। यह निर्णय उनके करियर के लिए अच्छा रहा। वॉटफोर्ड में उन्हें लगातार खेलने का मौका मिला और वह टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में शामिल हो गए। नेस्टोरी ने हमेशा कहा था कि विश्व कप में खेलना उनका सबसे बड़ा सपना है, और इसके लिए नियमित रूप से मैदान पर उतरना अनिवार्य था। नेस्टोरी के ऑस्ट्रेलियाई साथी मोहम्मद टौरे उनकी प्रतिभा के बड़े प्रशंसक रहे हैं। टौरे ने एक बार कहा था कि उन्होंने कई अच्छे खिलाड़ी देखे हैं, लेकिन नेस्टोरी जैसी विशेष प्रतिभा बहुत कम मिलती है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर से शुरू हुआ नेस्टोरी इरानकुंडा का असाधारण सफर अब विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच तक पहुंच चुका है। इससे युवा प्रतिभाओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

फीफा विश्व कप 2026 : ईरान ने न्यूजीलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर रोका

लॉस एंजिल्स एजेंसी। ईरान ने फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के ग्रुप जी के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर ही रोक दिया। इसी के साथ ही न्यूजीलैंड विश्वकप में पहली जीत हासिल करने से वंचित हो गयी। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ईरान ने दो बार पिछड़ने के बाद भी अच्छी वापसी की और एक अंक हासिल किया। इस मैच में ईरान की जीत में रामिन रेजाईन की अहम भूमिका रही। उन्होंने दो गोल दागे। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से एलिजा जस्ट ने दो गोल किये पर अंत में व ड्रॉ पर ही मजबूर हो गयी। मैच की शुरुआत में ही ईरान ने हमला बोल दिय। मेहदी तारेमी के शॉट को हालांकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकॉम्बे ने रोक लिया। इसके तत्काल बाद ही न्यूजीलैंड ने बढ़त हासिल कर ली। एलिजा जस्ट ने क्रिस वुड के पास पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

ईरान ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी के प्रयास तेज कर दिये। रामिन रेजाईन ने गोलकीपर क्रोकॉम्बे को छकाते हुए एक गोल दाग दिया। इस गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और ईरान ने मैच में अपनी वापसी दर्ज कराई।

वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में न्यूजीलैंड की ओर से एलिजा जस्ट ने गोल दागने में कोई गलती नहीं की। इस प्रकार टीम ने दूसरा गोल दाग दिया। ईरान ने एक बार फिर मोहम्मद मोहेब्बी को एक सटीक क्रॉस दिया, जिस पर मोहेब्बी ने हेडर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को पोस्ट के सहारे नेट में पहुंचा दिया। स्कोर एक बार फिर बराबरी पर, 2-2 हो गया। मैच के अंतिम मिनटों में दोनों ही टीमें निर्णायक गोल दागने में विफल रहीं। स्टॉपेज टाइम में क्रिस वुड का हेडर सीधे गोलकीपर बेइरानवंद के हाथों में गया जिससे मुकाबला बराबरी पर रहा। इससे , न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। अब न्यूजीलैंड टीम 22 जून को मिस्र के खिलाफ अगले ग्रुप जी मैच में उतरेगा, जबकि ईरान का सामना बेल्जियम से होगा।

टी20 विश्व कप में आज तक एक भी मैच नहीं जीत पायी है आयरलैंड

लंदन एजेंसी। इंग्लैंड में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्वकप क्रिकेट में दुनिया भर की 12 टीमें खिताबी जीत के इरादे से उतरी हैं। इन्हीं में से एक है आयरलैंड की महिला क्रिकेट टीम, ऐसी है जिसे आज तक एक बार भी टी20 विश्वकप में जीत नहीं मिली है। इस बार भी उसे पहले ही मैच में स्कॉटलैंड ने हराया है। इस प्रकार उसे अब तक 18वीं हार मिली है। जिस कारण से इसे बदकिस्मत टीम तक लोग कहने लगे हैं। महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में आयरलैंड ही अकेली टीम है जो जो हर बार जीत के करीब आकर भी दूर रह जाती है या पूरी तरह से पिछड़ जाती है। वैसे तो आयरलैंड को महिला क्रिकेट की दुनिया में एक अपेक्षाकृत कमजोर टीम माना जाता है पर टी20 प्रारूप अपनी अप्रत्याशितता और उलटफेरों के लिए जाना जाता है।

इसके बावजूद, आयरलैंड इस बड़े मंच पर अपनी पहली जीत का स्वाद नहीं चख पाई है। स्कॉटलैंड के खिलाफ इस बार हुए मुकाबले में आयरलैंड को 40 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 161 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, आयरलैंड की पूरी टीम 121 रन ही बना पायी। आयरलैंड की बल्लेबाजी इस मैच में पूरी तरह से लड़खड़ाई हुई नजर आई, जहां उनके छह खिलाड़ी दो अंक तक भी नहीं पहुंच पायी। इससे अंदाजा हातो है कि टीम का प्रदर्शन कितना कमजोर रहा।

हार्दिक के अच्छे विकल्प हो सकते हैं नितीश : रैना

मुम्बई एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए चोटिल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नितीश का वर्तमान समय में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह हार्दिक के अच्छे विकल्प बनने की योग्यता रखते हैं। साथ ही कहा कि चयन समिति को अन्य विकल्प भी देखने चाहिये। इसका कारण है कि हार्दिक कई बार चोटिल होते रहते हैं। रैना ने कहा कि पंड्या की बार-बार होने वाली चोटें चिंता का विषय हैं और 2027 विश्व कप से पहले भारत को उनका एक भरोसेमंद विकल्प ढूंढना अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करना चाहिए। रैना ने नितीश को एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश किया, यह बताते हुए कि इस युवा ऑलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने विस्तार से बताया, उनकी बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। रैना ने टीम प्रबंधन को सलाह दी कि उन्हें रेड्डी के काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना चाहिए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार मौके देने चाहिए ताकि वह अपनी जगह पक्की कर सकें।

बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भविष्य के संभावित कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की भूमिका को अहम बताया। उनका मानना है कि आईसीसी जैसे अत्यधिक दबाव वाले टूर्नामेंट में इन दिग्गजों का अनुभव गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। रैना ने जोर दिया, दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं। विश्व कप में भारत की कप्तानी करते समय शुभमन के लिए रोहित और विराट का साथ होना बहुत बड़ा फायदा होगा।

मैं बहुत निराश और टूटा हुआ महसूस कर रहा, अंपायरिंग में तकनीक का हो इस्तेमाल: सुमित नागल

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के शीर्ष रैंक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने पॉज्नान चैलेंजर में अपने शुरुआती राउंड के मैच के दौरान एक विवादित अंपायरिंग कॉल के बाद टेनिस में रेफरी के स्तर की स्टैंडर्ड की आलोचना की है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर नागल ने लिखा, 'मैं एक पॉइंट पर खेल रहा था, जहां मैं गेंद की ओर दौड़ा, जो साफ तौर पर आउट थी। मैच में एक लाइन्समैन और एक चेयर अंपायर रेफरी थे। उन दोनों में से किसी ने भी कॉल नहीं किया। इसलिए मैंने तुरंत अपना हाथ उठाया, लेकिन अंपायर का कहना है कि उन्होंने इसे नहीं देखा, जो हो सकता है, लेकिन फिर उन्होंने नीचे आकर मार्क को चेक करने से भी मना कर दिया।' 28 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि एटीपी नियमों के तहत, 'एक खिलाड़ी को गेंद के बाउंस होने के बाद एक बार स्ट्राइक करने और फिर भी कॉल को चुनौती करने की इजाजत है, बशर्ते इससे खेल पर कोई असर न पड़े। नागल ने कहा कि उनकी अपील इन दिशा-निर्देशों के अंतर्गत है।

हरमनप्रीत टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी

मिताली को पीछे छोड़ा

लंदन एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप मुकाबले में 36 रनों की अपनी पारी के दौरान ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। हरमनप्रीत अब टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान मिताली राज 726 रनों के साथ ही रनों के मामले में शीर्ष पर थीं। मैच के दौरान अपनी पहली ही गेंद पर एक रन लेकर उन्होंने मिताली के लंबे समय से चले आ रहे इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ, हरमनप्रीत के टी20 विश्व कप में अब कुल 762 रन हो गए हैं, जो किसी भी भारतीय महिला खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। इस प्रकार उन्होंने 726 रनों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद मिताली के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है, जिन्होंने कई वर्षों तक यह प्रतिष्ठित स्थान बरकरार रखा था। टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर मंधाना हैं, जिन्होंने अब तक 592 रन बनाए हैं। उनके बाद जेमिमा रोड्रिग्स 408 रनों के साथ चौथे और पुनम राऊत 375 रनों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

हरमनप्रीत का यह रिकॉर्ड उनकी निरंतरता, जुझारूपन और बड़े मंच पर दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। एक कप्तान और एक मैच विजेता के रूप में, उनका योगदान भारतीय महिला क्रिकेट के लिए अमूल्य है। यह उपलब्धि सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर में एक सुनहरा अध्याय नहीं जोड़ती, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट की बढ़ती ताकत और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को भी रेखांकित करती है। उनकी यह पारी आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह उपलब्धि हरमनप्रीत के लिए ऐसे समय पर आई जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पाक के खिलाफ भारतीय पारी की शुरुआत खराब रही थी, जब शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स ने शुरुआत में ही अपने विकेट खो दिए। ऐसे दबाव के बीच भी हरमनप्रीत ने तीसरे नंबर पर आक्रामक बल्लेबाजी की । उन्होंने 35 गेंदों पर 36 रन बनाये। इसमें , 4 शानदार चौके भी शामिल थे।

अश्विन ने गुरनूर को अवसर देने के लिए चयनकर्ताओं के सराहा

चेन्नई एजेंसी। दिग्गज ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भारतीय टीम में अवसर देकर चयनकर्ताओं ने अच्छा काम किया है।गुरनूर ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में शानदार गेंदबाजी कर अपने चयन को सही साबित किया है। इस मैच में बरार ने अपनी गति और सटीकता से सभी को प्रभावित किया, लगातार 145 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदें डालीं। उन्होंने अपने स्पेल में 27 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए, इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पांचवीं गेंद पर ही अपना पहला विकेट हासिल करन एक बड़ी उपलबब्धि है। अश्विन ने बरार की गेंदबाजी के कई पहलुओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी कम उम्र उनके लिए एक बड़ा फायदा है और उनमें अपार क्षमता है।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर गुरनूर की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, गुरनूर हमें कहना होगा कि वह वाकई बहुत प्रभावशाली हैं। वह लंबे हैं और ऐसा लगता है कि वह काफी मजबूत भी हैं। उन्होंने हर गेंद 145 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से डाली। उनमें बहुत क्षमता है। नई गेंद के साथ उनका कौशल, उनका एक्शन और स्विंग, सब कुछ बहुत बढ़िया है। अश्विन ने यह भी जोड़ा कि बरार अभी युवा हैं और भविष्य में और भी तेज गेंदबाजी कर सकते हैं।

वहीं इससे पहले गुरनूर के चयन पर कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने हैरानी जताई थी, उनका कहना था कि जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को अवसर दिया जाना चाहिये था क्योंकि उनका घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन रहा था। वहीं अश्विन ने इस चयन को सही ठहराते हुए कहा कि यह चयनकर्ताओं की दूरदर्शिता का परिणाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुरनूर को एक संभावित प्रतिभा के रूप में पहचानने में चयनकर्ताओं की समझ सराहनीय है और उन्होंने इस युवा गेंदबाज को भारत के लिए एक संभावित स्टार बताया। अश्विन ने कहा, जब चयनकर्ताओं ने आकिब नबी की जगह गुरनूर बरार को चुना, तो कई लोगों ने इस पर चर्चा की। मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन फैसला था। दोनों के बीच कोई तुलना नहीं है, लेकिन जिन चयनकर्ताओं और कोचों ने गुरनूर को देखा, उनकी परख बहुत अच्छी है और उन्हें इसके लिए बधाई दी जानी चाहिए। अश्विन ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि गुरनूर अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं और सही दिशा में प्रयास करते हैं, तो वह भविष्य में भारतीय क्रिकेट के लिए एक बहुत बड़े गेंदबाज बन सकते हैं।

सहवाग का खुलासा, जब द्रविड़ की सलाह के कारण मैं तिहरा शतक पूरा नहीं कर पाया

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने खुलासा किया है कि एक बार जब वह तिहरे शतक के बेहद करीब पहुंच गये थे तो कप्तान रहे राहुल द्रविड़ की सलाह के कारण उसे पूरा नहीं कर पाये थे। सहवाग को एक ऐसे विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर याद किया जाता है जो क्रिकेट की पारंपरिक शैली को अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से बदलने में सफल रहा है। वहीं अपनी धुआंधार शुरुआत से वे न केवल विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाते थे, बल्कि टेस्ट मैच जीतने के लिए एक नया रवैया भी पेश करते थे। भारत के लिए टेस्ट में दो तिहरे शतक लगाने वाले वह एकमात्र बल्लेबाज हैं पर एक ऐसा अवसर आया जब वह अपने तीसरे तिहरे शतक के बेहद करीब पहुंच गए थे पर द्रविड़ की एक सलाह के कारण वे यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने से चूक गए। सहवाग ने ये भी कहा कि द्रविड़ की बात मानकर उन्होंने अपने करियर की एक बड़ी गलती कर दी थी।

ये मामला साल 2009 का है। तब मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में सहवाग अपनी स्वाभाविक शैली में बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन के खेल में टीम को बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचा चुके थे। उन्होंने एक ही दिन में रिकॉर्ड 284 रन बना दिए थे। क्रीज पर टिके सहवाग अपने टेस्ट करियर के तीसरे तिहरे शतक से करीब थे।

वहीं जब दिन का खेल खत्म होने में कुछ ओवर बाकी थे, तब द्रविड़ ने उनसे बात की। द्रविड़ ने सहवाग को सलाह दी कि अब जोखिम लेने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि दिन का खेल समाप्त होने वाला है। उन्होंने सहवाग से कहा, आज विकेट बचाकर खेलो, अगली सुबह आकर आराम से अपने 300 रन पूरे कर सकते हो। तुम्हारे पास 400 रन बनाने का भी मौका होगा। द्रविड़ की यह सलाह सहवाग को सही लगी ओर वह बचे हुए ओवर सावधानी से खेलने लगे। दिन का खेल खत्म होने तक दोनों बल्लेबाज नाबाद रहे, और सहवाग को पूरा विश्वास था कि अगली सुबह वह अपना तिहरा शतक आसानी से पूरा कर लेंगे। वह अगले दिन पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरे लेकिन 293 रन बनाकर आउट हो गए। श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच लपककर उन्हें इतिहास रचने से रोक दिया। सहवाग ने अपनी इस विस्फोटक पारी में केवल 254 गेंदों का सामना किया था, जिसमें 40 चौके और 7 छक्के शामिल थे। यह एक ऐसी पारी थी जो हमेशा उनकी आक्रामक शैली का प्रतीक रहेगी। सहवाग ने कहा कि किया कि उन्हें दूसरे दिन के आखिरी ओवरों में अपनी स्वाभाविक आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखनी चाहिए थी। उन्हें इस बात का गहरा अफसोस हुआ कि उन्होंने द्रविड़ की सलाह मानी। उन्होंने यह भी बताया कि आउट होने के बाद वह मजाकिया तौर पर ही सही, लेकिन द्रविड़ को उनकी सलाह के लिए जमकर कोस रहे थे।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को नीट परीक्षा के संबंध में दिए निर्देश

पारदर्शिता और शांतिपूर्ण ढंग से नीट परीक्षा आयोजित कराएं : मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को नीट प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों में सुरक्षा के उचित प्रबंध करें। पूरी पारदर्शिता और शांतिपूर्ण ढंग से नीट परीक्षा संपन्न कराएं। परीक्षा के आयोजन में किसी भी तरह की गड़बड़ी पाए जाने पर उत्तरदायी अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 30 जिला मुख्यालयों के 283 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जा रही है। कलेक्टर्स परीक्षा की निगरानी के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात कर दें। इसकी व्यवस्थाओं में समन्वय के लिए कंट्रोल रूम बनाएं। इसके पेपर बैंक में सुरक्षित रखे गए हैं। बैंक से कड़ी सुरक्षा के बीच पेपर परीक्षा केन्द्र तक ले जाने की व्यवस्था करें। हर परीक्षा केन्द्र के लिए अलग वाहन तैनात करें वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा केन्द्र में विद्यार्थियों को सुबह 11 बजे से बुलाया गया है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा केन्द्र में दोपहर 1.30 बजे तक विद्यार्थियों को प्रवेश की अनुमति रहेगी। विद्यार्थियों के लिए पानी, नाश्ता आदि की भी व्यवस्था परीक्षा केन्द्र में कराएं। विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में अभिभावक आएंगे। उनके बैठने की भी समुचित व्यवस्था करें। इस परीक्षा में बड़ी संख्या में बेटियाँ शामिल होती हैं। प्रत्येक केन्द्र में पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तैनात रखें बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुपम राजन ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनमें 20 जून तक जैमर भी लगा दिए जाएंगे। नीट परीक्षा 21 जून को आयोजित की जा रही है। इस दिन जबलपुर में विश्व योग दिवस कार्यक्रम में महामहिम राष्ट्रपति जी शामिल होंगी। राष्ट्रपति जी के दौरे के रूट में शामिल 6 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों के सुगम आवागमन के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में यातायात प्रबंधन, भीड़ प्रबंधन, हल प्रश्नपत्रों को जमा करने तथा दूर स्थित परीक्षा केन्द्रों के लिए बसों की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से प्रभारी कमिश्नर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, डिप्टी कलेक्टर राकेश चौरसिया तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में 33 ग्राम पंचायत सचिवों के हुए स्थानांतरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में 33 ग्राम पंचायत सचिवों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित स्थानांतरण नीति 2026 के प्रावधानों के अनुसार स्थानांतरण आदेश जारी किया गया है। स्थानांतरण एक ही जनपद पंचायत के अंतर्गत किए गए हैं। जनपद पंचायत सिरमौर में ग्राम पंचायत सचिव राजबहादुर सिंह को भेलौड़ी से धरी, प्रदीप कुमार सिंह को उमरी से तिलखन, वंशरूप साकेत को तिलखन से उमरी पदस्थ किया गया है। जनपद पंचायत रीवा में रीना मिश्रा को रूपौली से धौचट स्थानांतरित किया गया है। जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में ग्राम पंचायत सचिव विष्णु साकेत को रामनई से बरहदी, त्रिभुवनदास साहू को मनिकवार नम्बर एक से रेरूआखुर्द, प्रवीण सिंह को बड़ागांव से धवैया 291, मती नीलम सिंह को मढ़ी से पलिया 352, बृजभान कुशवाहा को पलिया 352 से मढ़ी, रेखा तिवारी को पलिया 351 से देवगांव तथा इंदिरा सिंह को बरहदी से ग्राम पंचायत बुड़वा पदस्थ किया गया है जनपद पंचायत त्योंथर में ग्राम पंचायत में शिवकुमार कुशवाहा को सहलोलवा से चुनरी तथा राजलाल साकेत को डाढ़ से बरहट स्थानांतरित किया गया है। जनपद पंचायत जवा में नारायणदत्त तिवारी को ग्राम पंचायत जोन्हा से ग्राम पंचायत भड़रा, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा को भड़रा से जोन्हा, युदनंदन प्रजापति को पटेहरा से खम्हरिया 17, त्रिवेणी सिंह को खम्हरिया 17 से पटेहरा, वीरेन्द्र कुमार मिश्रा को बरहुला से वीरपुर, विवेकानंद पाण्डेय को खम्हरिया 34 से भनिगवां, अतीशचन्द्र शुक्ला को भनिगवां से जवा तथा कमलाकांत मिश्रा को कुठिला से गाढ़ा 163 पंचायत में स्थानांतरित किया गया है। जनपद पंचायत गंगेव में ग्राम पंचायत सचिव सुरेन्द्र उपाध्याय को सेंदहा से भौखरी कला, शत्रुघ्न पाण्डेय को सरईकला से पचोखर, राजेश सिंह को पचोखर से सेंदहा, विपिन कुमार शुक्ला को पनगढ़ी कला से जोड़ौरी, विनोद कुमार तिवारी को खरहरी से गोदरी 27, सुनील गुप्ता को गोदरी 27 से खरहरी, अशोक कुमार कुशवाहा को सिरसा से बेलबा बड़गैयान, रमेश कुमार कोल को देवहटा से अमहा, शिवांकात आजाद को दादर कोठार से कररिया, शिवशरण पटेल को रमपुरवा से संसारपुर, देवेन्द्र सिंह को संसारपुर से रौरा उन्मूलन एवं शगुनकली कोल को रक्सामाजन से ग्राम पंचायत रमपुरवा में स्थानांतरित किया गया है।

डभौरा में अवैध तेंदूपत्ता परिवहन पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, मोटरसाइकिल सहित सामग्री जब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत डभौरा क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध तेंदूपत्ता परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को रंगे हाथों पकड़कर बड़ी मात्रा में तेंदूपत्ता और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। यह कार्रवाई दिनांक 12 जून 2026 को रेलवे स्टेशन डभौरा के पास की गई जानकारी के अनुसार, वन विभाग डभौरा को ग्रामीणों से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल के माध्यम से अवैध रूप से तेंदूपत्ता का परिवहन कर रहा है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध वाहन को रोका पकड़े गए व्यक्ति की पहचान प्रकाश मौर्या पिता दिलीप मौर्य, उम्र लगभग 36 वर्ष, निवासी ग्राम सेमरा, पोस्ट बरगढ़, जिला चित्रकूट (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। आरोपी के पास से लगभग 4 बोरी तेंदूपत्ता, जो करीब 2000 गड्डी के आसपास बताया जा रहा है बरामद किया गया आरोपी द्वारा यह तेंदूपत्ता मोटरसाइकिल (हीरो स्प्लेंडर प्लस, पंजीयन क्रमांक UP70-GP-9816) से परिवहन किया जा रहा था। जब्त की गई सामग्री और वाहन को वन विभाग द्वारा अपने कब्जे में ले लिया गया है इस संबंध में वन विभाग डभौरा ने वन अपराध प्रकरण क्रमांक 263/5 दर्ज करते हुए मध्यप्रदेश तेंदूपत्ता व्यापार (विनियमन) अधिनियम 1984 की धारा 5, 14 एवं 17 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 52 के तहत विधिवत कार्रवाई प्रारंभ की है वन विभाग अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में अवैध तेंदूपत्ता व्यापार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए अवैध वन उपज तस्करी पर रोक लगाने की मांग की है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा की अवैध कटाई, संग्रहण एवं परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

परिवहन विभाग रीवा का लर्निंग लाइसेंस शिविर, 52 फेसलेस लाइसेंस जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। परिवहन विभाग रीवा द्वारा कॉलेज छात्रों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ने एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पेंटियम पॉइंट कॉलेज में लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से लाइसेंस निर्माण की जानकारी प्राप्त की शिविर में लगभग 70 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस दौरान छात्रों को आधार कार्ड के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। अधिकारियों द्वारा उन्हें फेसलेस सिस्टम के तहत आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेज अपलोड करने की विधि एवं डिजिटल सेवाओं के उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई शिविर के दौरान छात्रों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों तथा हेलमेट एवं सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें यह संदेश दिया गया कि वे अपने परिवार के कम से कम पाँच सदस्यों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके आयोजित इस शिविर में कुल 52 फेसलेस लर्निंग लाइसेंस जारी किए गए। कार्यक्रम के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ महाविद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ की भी सक्रिय उपस्थिति रही इस अवसर पर कॉलेज संचालक ब्रह्मानंद त्रिपाठी, डायरेक्टर श्रवण त्रिपाठी, प्रोफेसर दीप्ति सिंह, प्रोफेसर दिव्या पांडे एवं प्रोफेसर ऋषि मिश्रा सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। वहीं परिवहन विभाग की ओर से आरटीओ रीवा सहित संबंधित अधिकारी एवं सहयोगी दल मौजूद रहे कार्यक्रम में सुखी नंद बस एसोसिएशन के प्रतिनिधि दिलीप शर्मा, टेक्निकल टीम से सचिन सोनी तथा अन्य सहयोगी सदस्य भी शामिल रहे परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जिले में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत हेलमेट के उपयोग, लाइसेंस की अनिवार्यता एवं यातायात नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

बारिश से पहले बड़े दावे, लेकिन जमीनी हकीकत चिंताजनक : अविराज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में मानसून की शुरुआत के साथ ही जलभराव का खतरा एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है समाजसेवी अविराज ने शहर की जल निकासी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रशासनिक तैयारियां अधिकतर कागजों तक सीमित दिखाई दे रही हैं अविराज ने कहा कि शहर की छोटी नालियों से लेकर बड़े नालों तक की सफाई का दावा तो किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि अधिकांश स्थानों पर सफाई कार्य अधूरा या सिर्फ कागजी साबित हो रहा है। यही कारण है कि शहर के प्रमुख चौराहों पर भी मात्र एक घंटे की बारिश में जलभराव की स्थिति बन जाती है और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है उन्होंने कहा कि हर वर्ष बारिश के दौरान निचले इलाकों में रहने वाले लोग भय और असुविधा का सामना करते हैं, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम आज तक नहीं उठाए गए यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो इस बार भी रीवा में बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं अविराज ने प्रशासन से मांग की है कि नालों की गहराई से सफाई, अतिक्रमण हटाने और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए तत्काल अभियान चलाया जाए, ताकि शहरवासियों को बारिश के मौसम में राहत मिल सके।

नगर निगम रीवा का विशेष सफाई अभियान, वर्षा पूर्व जलभराव रोकथाम की कवायद तेज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महापौर एवं निगमायुक्त के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रीवा द्वारा आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए शहर में जलभराव की समस्या की रोकथाम एवं स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है इस अभियान के अंतर्गत शहर के प्रमुख नालों एवं नालियों की व्यापक सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को बेहतर किया जा रहा है इसी क्रम में मंगलवार को नगर निगम की टीम द्वारा चैन पुलिंग मशीन की सहायता से प्रमुख बड़े नालों की सफाई कराई गई। विशेष रूप से झिरिया बड़े नाले की मशीनों के माध्यम से समुचित सफाई की गई, जिसमें नाले में जमा गाद, मिट्टी, प्लास्टिक, कचरा एवं अन्य अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारु बनाया गया। इसका उद्देश्य वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति को रोकना है इसके साथ ही नगर निगम की नाला गैंग द्वारा निरंतर अभियान चलाकर नालों की तली से गहन सफाई की जा रही है। वार्ड क्रमांक 38 में कबीरन कुआं के बड़े नाले एवं रानी तालाब मार्ग की पुलिया की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। वार्ड क्रमांक 12 में सिंचाई विभाग परिसर से निकलने वाले बड़े नाले तथा वार्ड क्रमांक 06 में विंध्या हॉस्पिटल मोड़ के समीप स्थित नाले की सफाई की गई इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 18 में कलेक्ट्रेट परिसर के पास नाले के चेंबर खोलकर व्यापक सफाई कार्य किया गया सफाई अभियान के दौरान निकली गाद कचरा एवं मलबे का तत्काल टेंपो एवं ट्रैक्टरों के माध्यम से उठाव कर निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है जिससे आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनी रहे। नगर निगम द्वारा वर्षा पूर्व सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की चरणबद्ध सफाई कराई जा रही है तथा आवश्यकतानुसार मशीनों एवं संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है नगर निगम रीवा ने नागरिकों से अपील की है कि वे नालों एवं नालियों में कचरा प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थ न डालें तथा शहर की स्वच्छता एवं सुचारु जल निकासी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

जिले भर में मनाया जाएगा नशामुक्त भारत सप्ताह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में 17 जून से 26 जून तक नशामुक्त भारत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है इसके तहत 26 जून को अन्तर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरूपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस मनाया जाएगा। इस संबंध में संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि सप्ताह के दौरान मद्यपान, मादक पदार्थों के सेवन तथा नशीली दवाओं के उपयोग के दुष्परिणामों की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। तम्बाकू सेवन से होने वाले कैंसर, टीबी, हृदय रोग जैसे गंभीर रोगों से बचाव के संबंध में भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

लोक कल्याण मेला के तहत पीएम स्वनिधि योजना में 226 आवेदन प्राप्त, चारों जोनों में आज भी जारी रहेंगे विशेष शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा लोक कल्याण मेला के अंतर्गत प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत चारों जोनों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है इस अभियान में पथ विक्रेताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है तथा बड़ी संख्या में हितग्राही योजना से जुड़ रहे हैं निगम आयुक्त अक्षत जैन के निर्देशानुसार 12 जून से 22 जून 2026 तक चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत नगर निगम के सभी जोनों में निरंतर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं इसी क्रम में 16 जून को आयोजित शिविरों में कुल 226 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें पथ विक्रेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया प्राप्त आवेदनों के अनुसार जोन क्रमांक 01 में 50, जोन क्रमांक 02 में 72, जोन क्रमांक 03 में 76 तथा जोन क्रमांक 04 में 28 आवेदन दर्ज किए गए। इन आवेदनों में 15 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक के ऋण एवं क्रेडिट कार्ड संबंधी आवेदन शामिल हैं। शिविरों के दौरान निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर पथ विक्रेताओं को योजना के प्रति प्रेरित किया गया तथा पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन एवं आवेदन प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूर्ण कराया गया नगर निगम रीवा द्वारा संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पथ विक्रेताओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके व्यवसाय के विस्तार को बढ़ावा देना है। योजना के माध्यम से छोटे व्यवसायियों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़कर आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है इसी क्रम में 17 जून को भी चारों जोनों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जोन क्रमांक 01 में एजी कॉलेज मोड़, जोन क्रमांक 02 में स्टैच्यू चौराहा, जोन क्रमांक 03 में शिल्पी कुंज के पास एवं समान तिराहा तथा जोन क्रमांक 04 में धोबिया टंकी में शिविर लगाए जाएंगे नगर निगम ने सभी पात्र पथ विक्रेताओं से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर योजना का लाभ प्राप्त करें। यह विशेष अभियान 22 जून 2026 तक लगातार संचालित रहेगा, जिससे अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लापरवाही बरतने वालों को दिया नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले 20 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिन की समय सीमा में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण में रूचि न दिखाने तथा लंबित प्रकरणों पर तत्परता से कार्यवाही न करने के कारण नोटिस दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण के संबंध में हर सप्ताह अधिकारियों को समीक्षा बैठक में निर्देश दिए जा रहे हैं। इन अधिकारियों द्वारा निर्देशों की लगातार अवहेलना की जा रही है जो सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में इनकी संवेदनहीनता को दर्शाता है। सुशासन में बाधा डालने के प्रयासों को अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता मानते हुए कारण बताओ नोटिस दिया गया है कलेक्टर ने बताया कि सहायक उद्यानिकी सु दीक्षा, सहायक संचालक पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण सुमन द्विवेदी, प्राचार्य आयुर्वेद महाविद्यालय डॉ. दीपक कुलश्रेष्ठ, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना रीवा ग्रामीण सपना राम तिवारी तथा प्राचार्य माडल साइंस कालेज डॉ. रवीन्द्रनाथ तिवारी को नोटिस दिया गया है। इसी तरह तहसीलदार त्योंथर राजेश तिवारी, तहसीलदार हुजूर नगर अनुपम पाण्डेय, तहसीलदार मनगवां आंचल अग्रहरी, तहसीलदार जवा जीतेन्द्र तिवारी, तहसीलदार हुजूर ग्रामीण शिवशंकर शुक्ला तथा सहायक आयुक्त आबकारी अनिल जैन को नोटिस दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।